हिन्दी सांध्य दैनिक

# प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 301, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 3 मई, 2024 दिन शुक्रवार गाजीपुर/वाराणसी

## पूरा देश आज विश्वास के साथ कह रहा है, फिर एक बार मोदी सरकार

### 'शहजादे को प्रधानमंत्री बनाने के लिए पाकिस्तान उतावला', राहुल पर पीएम मोदी का तंज

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज गुजरात के आणंद में चुनाव प्रचार किया। इस प्रचार के दौरान उन्होंने शास्त्री मैदान में एक रैली को भी संबोधित किया। रैली में उन्होंने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। प्रधानमंत्री ने दावा किया कि पूरा देश आज विश्वास के साथ कह रहा है, 'फिर एक बार मोदी सरकार'। उन्होंने कांग्रेस के 60 वर्षों के कार्यकाल से भाजपा के 10 वर्षों के कार्यकाल की तुलना की। पीएम मोदी ने इस दौरान कांग्रेस के कार्यकाल को शासनकाल कहा। रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कांग्रेस को पाकिस्तान का मुरीद बताया है। उन्होंने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि शहजादे को प्रधानमंत्री बनाने के लिए पाकिस्तान उतावला है। आणंद में रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कांग्रेस मुद्दों पर घेरा। उन्होंने कहा, "देश ने 60 साल तक कांग्रेस का राज देखा है। अब देश ने 10 साल भाजपा का सेवाकाल भी देखा है। वो शासनकाल था, ये सेवाकाल है। कांग्रेस के 60 साल में करीब 60 फीसदी ग्रामीण आबादी के पास शौचालय नहीं था। 10 साल में

भाजपा सरकार ने शत-प्रतिशत टॉयलेट बना दिए। 60 साल में कांग्रेस देश में सिर्फ तीन करोड़ ग्रामीण घरों तक ही नल से जल की सुविधा पहुंचा पाई, यानी कि 20 प्रतिशत से भी कम घरों में। 10 साल में ही नल से जल पहुंचने वाले घरों की संख्या आज 14 करोड़ हो गई है, यानी 75 फीसदी घरों में नल से जल पहुंचा है।" पीएम मोदी ने विपक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस ने बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया है। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस ने बैंकों पर कब्जा कर लिया और ये कहा कि बैंक गरीबों के लिए होने चाहिए। उन्होंने आगे कहा, "बैंकों का राष्ट्रीयकरण गरीबों के नाम पर करने के बावजूद भी कांग्रेस सरकार 60 साल में करोड़ों गरीबों के बैंक खाते नहीं खोल पाई। मोदी ने 10 साल में 50 करोड़ से ज्यादा जनधन बैंक खाते खोले।"

रैली में पीएम मोदी ने कहा, "2014 में जब आपने अपने इस बेटे को गुजरात से दिल्ली भेजकर देश की सेवा करने का आदेश दिया, उस समय देश के प्रधानमंत्री बड़े विद्वान अर्थशास्त्री थे। जब उन्होंने छोड़ा था, तब देश दुनिया में 11वें नंबर की अर्थव्यवस्था था। 10 साल में इस गुजराती ने, चाय वाले ने देश की इकोनॉमी को पांचवें नंबर पर पहुंचा दिया।"

प्रधानमंत्री ने बताया कि कांग्रेस के कारण दशकों तक देश के संविधान के साथ भांति-भांति के खिलवाड़ हुए। सरदार वल्लभभाई पटेल का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि वह बहुत जल्दी चले गए, जिसके कारण देश को बहुत नुकसान हुआ है। उन्होंने आगे कहा, "मेरे मन में है कि मैं सरदार साहब के सपने भी पूरे करने की कोशिश करूं। आज मोदी देश को एक करने के सरदार साहब के सपने को पक्का कर रहा है। वहीं कांग्रेस देश को बांटने में जुटी है, कांग्रेस समाज में लड़ाई-झगड़ा कराना चाहती है।" राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस के शहजादे आजकल माथे पर संविधान रखकर नाच रहे हैं। उन्होंने विपक्ष से सवाल किया, "कांग्रेस मुझे जवाब दे कि जिस संविधान को आज माथे पर रखकर नाच रहे हो, क्यों 75 साल तक हिंदुस्तान के सभी हिस्सों पर ये संविधान लागू नहीं होता था।

## एआई से सीएम योगी का डीप फेक वीडियो बनाकर वायरल करने वाला गिरफ्तार

लखनऊ। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का डीप फेक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर वायरल करने वाले युवक श्याम गुप्ता को एसटीएफ ने गिरफ्तार कर लिया है। उसने विपक्षी दल के एक बड़े नेता का पुलवामा हमले को लेकर दिए गये भाषण को एआई के जरिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की आवाज में बदलकर सोशल मीडिया पर वायरल किया था। एडीजी कानून-व्यवस्था एवं एसटीएफ अमिताभ यश ने बताया कि एसटीएफ ने इस तरह का वीडियो वायरल होने की सूचना मिलने पर नोएडा के साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज कराया था, जिसके आधार पर नोएडा के बरौला निवासी श्याम गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया गया। उसने अपने एक्स हैंडल से एआई जनरेटेड डीप फेक वीडियो पोस्ट किया, जो तेजी से वायरल होने लगा। इसकी सूचना पर पुलिस तत्काल हरकत में आई और उसे दबोच लिया। पूछताछ में उसने बताया कि वह रेहड़ी पटरी संचालक वेलफेयर एसोसिएशन का प्रदेश अध्यक्ष है। वह सीएम योगी को पसंद नहीं करता है। उन्हें बदनाम करने के लिए उसने पुराने वीडियो को एआई से एडिट कराकर वायरल किया था। जिस एक्स हैंडल से यह वायरल किया गया, वह उसका ही है।

## हार की खिसियाहट को हिंदू आस्था के साथ खिलवाड़ करके व्यक्त कर रही कांग्रेस : योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा भगवान राम और शिव पर दिए गए वक्तव्य पर आक्रोश जताया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लोकसभा चुनाव 2024 में बुरी तरह पराजित हो रही है और हार की इसी खिसियाहट को वह बहुसंख्यक हिंदू समाज की आस्था को अपमानित कर, उसके साथ खिलवाड़ कर व्यक्त कर रही है। मैनपुरी, एटा और फिरोजाबाद में चुनावी जनसभा के लिए निकलने से पूर्व अपने सरकारी आवास पर मीडिया से बातचीत करते हुए सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस का इतिहास इस प्रकार के कृत्यों से भरा पड़ा है, लेकिन इन सबके बावजूद चुनाव के समय इस तरह के संवेदनशील मुद्दों को उठाकर कांग्रेस भारत की आस्था के साथ-साथ बहुसंख्यक समाज को अपमानित करने का काम कर रही है। सीएम योगी ने कहा कि आपस में बांटों और राज करो ये कांग्रेस की पुरानी प्रवृत्ति रही है और अंग्रेजों की उस विरासत को ही अब वह आगे बढ़ाने का काम कर रही है। उसने जाति के नाम पर, क्षेत्र के नाम पर, भाषा के नाम पर समाज को बांटने का प्रयास किया है और आगे भी लगातार वह इस प्रकार के कृत्यों को अपना रही है। उसके इलेक्शन मैनिफेस्टो में भी समाज को जातीय आधार पर बांटने का प्रयास किया गया है। देश के अंदर एससी, एसटी, ओबीसी के अधिकार को वह कैसे अल्पसंख्यकों को बांटने की कुत्सित चेष्टा का हिस्सा बन रही है, इसका स्पष्ट उदाहरण कांग्रेस के मैनिफेस्टो में नजर आता है। इसीलिए कांग्रेस अपनी हार की खिसियाहट को किसी न किसी रूप में हिंदू आस्था के साथ खिलवाड़ करके व्यक्त करना चाहती है। सीएम योगी ने कहा कि सनातन धर्म की उपासना विधि में राम और शिव दोनों अलग-अलग नहीं हैं। मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम ने स्वयं शिव की उपासना की और रामचरित मानस में देखेंगे तो भगवान शिव ने भी श्रीराम की उपासना की। दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। प्रभु राम कहते हैं कि 'शिवद्रोही मम दास कहावा सो नर मोहि सपनेहु नहि पावा', यानी यदि कोई भगवान शिव का द्रोही है और वह मेरा दास, मेरा भक्त कहलाने का दंभ पाल रहा है तो मैं सपने में भी उसे प्राप्त नहीं हो सकता। ऐसा ही भगवान शिव भी कहते हैं। स्वाभाविक रूप से कांग्रेस की वास्तविकता सामने आ रही है। भारत की सनातन परंपरा को अपमानित करना, उसको लांछित करना, भारत की आस्था के साथ खिलवाड़ करना, ये कांग्रेस की प्रवृत्ति है और कांग्रेस अध्यक्ष को जो कांग्रेसी संस्कार प्राप्त हुए हैं वही बात वह अपने भाषणों में कर रहे हैं। वो भगवान राम और भगवान शिव को आपस में लड़ाने का कार्य कर रहे हैं। उनका यह वक्तव्य अत्यंत ही निंदनीय है। सीएम योगी ने साथ ही ये भी कहा कि हम इस बात को जरूर ध्यान में रखें कि हमारे शास्त्र इस बात का प्रमाण हैं कि शिव का द्रोही हो या राम का द्रोही, उसका पराभव, उसका पतन अवश्य हुआ है।

## अंधाधुंध निजीकरण से आरक्षण छीन रही मोदी सरकार तीसरे चरण के मतदान से पहले राहुल ने केंद्र को घेरा

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के मतदान से पहले कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आरक्षण को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जनकर निशाना साधा है। उन्होंने पीएम मोदी पर दलितों,

आदिवासियों और पिछड़े वर्गों से गुपचुप तरीकों से आरक्षण छीनने का आरोप लगाया है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि पीएम मोदी आंख बंद करके निजीकरण को लागू कर पिछड़े वर्गों से आरक्षण छीन रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि उनकी पार्टी सार्वजनिक क्षेत्र में उद्यमों को मजबूत करने और कर्मचारियों के लिए नौकरी के दरवाजे खोलने की गारंटी देती है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, "पीएम मोदी के चुनाव प्रचार का मंत्र आरक्षण हटाना है। न रहेगा बांस, न बजेगी बांसुरी। इसका मतलब है कि न रहेगी सरकारी नौकरी, न मिलेगा आरक्षण।" उन्होंने आगे कहा, "मोदी सरकार आंख बंद करके निजीकरण को लागू कर गुपचुप तरीके से पिछड़े वर्गों से आरक्षण छीन रही है।"

राहुल ने आगे कहा, "2013 में सार्वजनिक क्षेत्र में 14 लाख स्थायी पद थे, जो 2023 तक आते आते सिर्फ 8.4 लाख ही बचे। बीएसएनएल, सेल, बीएचईएल जैसे टॉप पीएसयू को बर्बाद कर लगभग छह लाख पक्की नौकरियां सिर्फ सर्वजनिक क्षेत्र से ही खत्म कर दी गई। ये वही पद हैं जहां आरक्षण का लाभ मिलता। सरकारी कार्यों को ठेके पर देकर रेलवे जैसे संस्थानों में जो नौकरियां बैक डोर से खत्म की जा रही हैं उनकी तो कोई गिनती ही नहीं है।" कांग्रेस सांसद ने कहा, "मोदी मॉडल का निजीकरण देश के संसाधनों की लूट है, जिसके जरिए वंचितों का आरक्षण छीना जा रहा है।" उन्होंने बताया कि कांग्रेस की गारंटी है कि हम पब्लिक सेक्टर्स को मजबूत करेंगे और 30 लाख रिक्त सरकारी पदों को भर कर हर वर्ग के लिए रोजगार का द्वार खोल देंगे।

## जमीनी विवाद में खूनी संघर्ष सगे भाइयों की मौत, दो गंभीर

प्रखर जौनपुर। जिले की बरसठी थाना क्षेत्र के पल्टूपुर गांव में जमीनी विवाद को लेकर खूनी संघर्ष हो गाया। इस खूनखराबे की वारदात में दो सगे भाइयों की जान चली गई तथा दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए है। जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। वारदात गुरुवार की सुबह की है । सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल शुरू कर दी। एक आरोपी को पुलिस ने हिरासत में भी ले लिया है। बतादे कि बरसठी थाना के पल्टूपुर गांव की एक विवादित जमीन खून से लाल हो गई । दोनों पक्षों की तरफ से जमकर लाठी डंडे चले। इस जंग में पांच लोग लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़े। इस वारदात के पीछे बताया जा रहा है कि दशरथ यादव उर्फ मुन्ना यादव एवं शेषनाथ यादव के बीच पट्टे की जमीन को लेकर काफी दिनों से विवाद चल रहा था। गुरुवार की सुबह दशरथ यादव उर्फ मुन्ना यादव अपनी पट्टे की जमीन पर मढ़हा रख रहे थे। इसी को लेकर शेषनाथ यादव अपनी जमीन बताकर रोकना शुरू किया और देखते ही देखते लाठी डंडों एवं लोहे की राड से जमकर मारपीट हो गई। मारपीट में दशरथ यादव उर्फ मुन्ना यादव 60 वर्ष उनका भाई सुभाष यादव 40 वर्ष, भरत लाल यादव 44 वर्ष पुत्रगण पारसनाथ यादव एवं सुनील यादव पुत्र दशरथ यादव 23 वर्ष, अमित यादव पुत्र भरत लाल यादव 13 वर्ष घायल हो गए। सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरसठी इलाज के लिए ले जाया गया। जहां पर सुभाष यादव एवं दशरथ यादव उर्फ मुन्ना यादव को गंभीर देखते हुए, जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। उसके थोड़ी देर बाद सुनील यादव को भी एंबुलेंस

से जिला अस्पताल भेजा गया । जहा सुभाष यादव एवं दशरथ यादव की मौत हो गई। अपर पुलिस अधीक्षक देहात शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि जमीन को लेकर पट्टीदारों के काफी दिनों से विवाद चल रहा था। आज सुबह दोनों पक्षों में झगड़ा हो गया था। जमकर मारपीट हुई लाठी डंडे से हमला हुआ। जिसमें एक पक्ष पांच लोग घायल हो गए। जिसमे दो लोगों की मौत हो गई, तीन लोग मामूली रूप से घायल हो गए । घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस तफ़्तीश शुरू कर दी है। एक आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है।

## 2जी स्पेक्ट्रम मामले में केंद्र की याचिका स्वीकार करने से इनकार, सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री का फैसला

नई दिल्ली। 2जी स्पेक्ट्रम मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले में संशोधन की केंद्र सरकार की मांग को झटका लगा है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री ने केंद्र की याचिका को खारिज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री ने केंद्र की याचिका को गलत धारणा पर आधारित और स्पष्टीकरण की आड़ में सुप्रीम कोर्ट के फैसले की समीक्षा कराने की कोशिश करार दिया। सुप्रीम कोर्ट ने साल 2012 में दिए अपने एक आदेश में कहा था कि देश के प्राकृतिक संसाधन नीलामी के जरिए ही आवंटित किए जा सकते हैं। इसी फैसले में केंद्र ने संशोधन की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट के नियम एक्सवी के नियम पांच के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट का रजिस्ट्री विभाग याचिका लेने से इनकार कर सकता है। इस नियम के मुताबिक रजिस्ट्रार कोई उचित कारण न होने, या निंदनीय मामला होने के आधार पर याचिका लेने से इनकार कर सकता है। हालांकि याचिकाकर्ता इस तरह के आदेश के खिलाफ 15 दिनों के भीतर अपील कर सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने 2 फरवरी 2012 को दिए अपने एक आदेश में 2जी स्पेक्ट्रम के विभिन्न कंपनियों को दिए लाइसेंस निरस्त कर दिए थे, जो ए राजा के बतौर टेलीकॉम मंत्री रहते दिए गए थे। साथ ही कोर्ट ने कहा था कि देश के प्राकृतिक संसाधनों का आवंटन नीलामी के जरिए हो सकता है। अब बीती 22 अप्रैल को अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमानी ने मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस जेबी पारदीवाला की पीठ के समक्ष एक अपील की। जिसमें 2जी स्पेक्ट्रम मामले में सुप्रीम कोर्ट के 2012 के फैसले में संशोधन की मांग की गई। अटॉर्नी जनरल ने मामले को जल्द सूचीबद्ध करने की भी मांग की। केंद्र सरकार ने गैर व्यवसायिक उद्देश्यों के लिए 2जी स्पेक्ट्रम की नीलामी में छूट देने की मांग की। एनजीओ पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन ने केंद्र की याचिका का विरोध किया। इसी एनजीओ की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने 2012 का फैसला दिया था।

## 'केंद्र के नियंत्रण में नहीं सीबीआई', पश्चिम बंगाल मामले में सुप्रीम कोर्ट में बोली सरकार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि सीबीआई पर केंद्र का नियंत्रण नहीं है। दरअसल पश्चिम बंगाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर दावा किया है कि सीबीआई ने कई मामलों में जांच के लिए राज्य सरकार की मंजूरी नहीं ली है। पश्चिम बंगाल सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 131 के तहत केंद्र के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में मुकदमा दायर किया है। जिसमें आरोप लगाया गया है कि राज्य द्वारा सीबीआई को दी गई सामान्य सहमति वापस लेने के बावजूद भी संघीय एजेंसी एफआईआर दर्ज कर राज्य के मामलों की जांच कर रही है।

संविधान का अनुच्छेद 131 केंद्र और राज्यों के अधिकारक्षेत्र से संबंधित है। केंद्र सरकार की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ को बताया कि 'संविधान का अनुच्छेद 131 संविधान के सबसे पवित्र क्षेत्राधिकार में से एक है और इसके प्रावधानों का गलत इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।' मेहता ने कहा कि राज्य सरकार के मुकदमे में जिस मामले के बारे में बताया गया है, वह भारत सरकार ने दायर नहीं किया है। मेहता ने कहा कि केंद्र सरकार ने मामला दर्ज नहीं किया था बल्कि सीबीआई ने किया था और सीबीआई, भारत सरकार के नियंत्रण में नहीं है।

उल्लेखनीय है कि 16 नवंबर 2018 को बंगाल सरकार ने सीबीआई को राज्य में जांच करने की मंजूरी वापस ले ली थी, जिसके तहत सीबीआई बंगाल में छापेमारी या जांच नहीं कर सकती। बंगाल में सीबीआई, ईडी टीम पर हुए हमले की जांच कर रही है। साथ ही संदेशखाली में यौन शोषण, जमीन अवैध रूप से कब्जाने जैसे आरोपों की जांच भी सीबीआई द्वारा की जा रही है। इसके खिलाफ बंगाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है।

## बदायूं में अखिलेश बोले: भाजपा के लोग संविधान बदलना चाहते हैं, इलेक्टोरल बॉन्ड और किसानों के मुद्दों पर भी घेरा

बदायूं। बदायूं में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार को सपा प्रत्याशी आदित्य यादव के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। चुनावी रैली के मंच पर पूर्व मंत्री शिवपाल सिंह यादव, सलीम इकबाल शेरवानी और पूर्व विधायक आबिद रजा समेत तमाम पदाधिकारी भी मौजूद रहे। अखिलेश यादव ने जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा पर जमकर निशाना साधा। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के लोग संविधान और हमारी आपकी जान के पीछे पड़े हैं। ये संविधान बदलना चाहते हैं। जिन्होंने वैक्सीन लगवाई, वो लोग भी भाजपा के खिलाफ मतदान करेंगे। ये भाजपा वाले आपदा में अवसर देख रहे थे। इलेक्टोरल बॉन्ड के नाम पर जो वसूली की है। ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स का डर दिखाकर इनकी सरकार से न केवल संविधान को खतरा है बल्कि इनके फैसलों से जान का भी खतरा है। दस साल में इनकी बातें झूठी निकलीं। यही दिल्ली वाले आते थे, कहते थे आमदनी दोगुनी कर देंगे। लेकिन किसी की आय दोगुनी नहीं हुई क्या? सपा मुखिया ने

कहा कि भाजपा के लोग कहते है कि 80 करोड़ लोगों को राशन बंटवा दिया और दूसरी तरफ कह रहे हैं कि हम गरीबी रेखा से लोगों को बाहर निकाल रहे हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि हम पौष्टिक आटा के साथ डाटा भी निशुल्क देंगे। अखिलेश ने कहा कि बीते 10 साल में एक लाख किसानों ने आत्महत्या की है। भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि इन्होंने हमारे किसानों का कर्ज माफ नहीं किया। बड़े-बड़े उद्योगपतियों और खासमखास लोगों का कर्ज माफ किया। अखिलेश ने पेपर लीक मुद्दों पर भी सरकार को घेरा।

आदित्य यादव ने कहा कि यह संविधान बचाने का चुनाव है। एक पक्ष के काम हो रहे हैं। विपक्ष पर दबाव बनाया जा रहा है। झूठे आरोपों में मुख्यमंत्रियों को जेल में डाला जा रहा है। दस साल के घटनाक्रमों का इस सरकार से जवाब लीजिए। एक भी वोट पीछे न रहने पाए। सात मई को मतदान से ऐसा कर दिखाएं।

**शेरवानी ने भी जनता को किया संबोधित**- इससे पहले पूर्व केंद्रीय मंत्री सलीम इकबाल शेरवानी ने कहा कि सिवाय नफरत के उनके पास कोई भाषण नहीं। दस साल से वो देश के प्रधानमंत्री हैं। अगर आप पूछिए, महंगाई कम हुई तो कोई जवाब नहीं है। आज सुनहरा मौका है, अपने हाथ, आप इतनी बड़ी ताकत से सपा को जिताएं कि दिल्ली में बिना अखिलेश यादव के कोई सरकार न बन सके। पूर्व विधायक आबिद रजा ने भी भाजपा पर जमकर निशाना साधा।

## पवार ने की मोदी की आलोचना, कहा- प्रधानमंत्री का भाषण तथ्यों और वास्तविकता पर आधारित नहीं

महाराष्ट्र। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की है। उन्होंने बताया कि पीएम मोदी के भाषण तथ्यों और वास्तविकता पर आधारित नहीं होते हैं। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री बुनियादी मुद्दों पर कभी बात नहीं करते हैं। एनसीपी-एसपी प्रमुख ने आरोप लगाते हुए कहा कि पीएम मोदी केवल जनता का ध्यान भटकाते हैं।

शरद पवार ने कहा, "मैंने पहले कभी ऐसा प्रधानमंत्री नहीं देखा, जिनका भाषण तथ्यों और वास्तविकता पर आधारित न हो। वह मुझ पर और उद्धव ठाकरे पर निशाना साधकर खुश हैं।" महाराष्ट्र में पांच चरणों में लोकसभा चुनाव कराने के फैसले पर राकांपा-एसपी के प्रमुख ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, "ऐसा इसलिए किया गया, जिससे पीएम मोदी यहां ज्यादा से ज्यादा प्रचार कर सकें। जो भी सत्ता में हैं, वे घबराए हुए हैं।" शरद पवार ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी बार बार यह टिप्पणी करते हैं कि अगर इंडी गठबंधन की सरकार बनी तो देश में धर्म के आधार पर आरक्षण लाया जाएगा। यह समाज में तनाव पैदा करने का एक प्रयास है। राकांपा-एसपी नेता ने प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा, "हमने ऐसा कुछ भी नहीं कहा है। यह मोदी की देन है।" राकांपा-एसपी नेता ने पीएम मोदी की तरफ से धन पुनर्वितरण और विरासत कर को लेकर की गई टिप्पणियों पर भी प्रतिक्रिया देते हुए बताया कि ऐसी कोई बात कांग्रेस के घोषणापत्र में शामिल नहीं है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार के दौरान पीएम मोदी लगातार शरद पवार पर निशाना साध रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा था कि महाराष्ट्र एक भटकती हुई आत्मा है। अगर सफलता नहीं मिलती है तो यह दूसरों के अच्छे काम को बर्बाद कर देता है। महाराष्ट्र इसका शिकार हुआ है। बता दें कि महाविकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन के तहत पवार की एनसीपी-एसपी महाराष्ट्र की 48 लोकसभा सीटों में से 10 पर शिवसेना (यूबीटी) के साथ चुनाव लड़ रही है।

## संपादकीय

## वैक्सीन के साइड इफेक्ट

हाल ही में कोरोना वैक्सीन बनाने वाली कंपनी एस्ट्राजेनेका ने स्वीकारा कि उसकी कोविशील्ड वैक्सीन के रेयर साइड इफेक्ट हो सकते हैं। जिसको लेकर देश में नए सिरे से बहस शुरू हुई। विशेषज्ञ सलाह दे रहे हैं कि घबराएं नहीं, टीके से जुड़ा खतरा दस लाख में से एक व्यक्ति को होता है। वैसे देश के चुनावी माहौल के बीच आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति के कोलाहल में यह तय कर पाना कठिन हो जाता है कि हवा में तैर रही खबर की तार्किकता क्या है। यह भी कि यह खबर वास्तविक है या राजनीतिक लक्ष्यों के लिये गढ़ी गई है। वहीं दूसरी ओर व्यापारिक प्रतिस्पर्धा के चलते भारत के खिलाफ जो वैश्विक गुटबंदी चल रही है, कहीं आरोप इस कड़ी का हिस्सा तो नहीं है। वैसे विशेषज्ञ कह रहे हैं कि कोविशील्ड वैक्सीन लेने के चार से बयालीस दिनों के भीतर टीटीएस प्रभाव हो सकता है, जो ब्लड क्लॉट बना सकता है। जिससे कालांतर प्लेटलेट्स की कमी शरीर में हो सकती है। दरअसल, वैक्सीन बनाने वाली कंपनी एस्ट्राजेनेका ने ब्रिटेन में एक अदालती सुनवाई के दौरान वैक्सीन के दुर्लभ प्रभावों की बात को माना था। कंपनी के विशेषज्ञों का कहना है कि टीटीएस दिमाग, फेफड़ों, आंत की खून की नली आदि में तो पाया गया लेकिन किसी को हार्ट अटैक की समस्या नहीं हुई। साथ ही यह भी कि कोविड संक्रमण के कारण भी ब्लड क्लॉट के मामले सामने आए हैं। कुछ विशेषज्ञ मानते हैं कि वैक्सीन से इम्यून सिस्टम में टी व बी सेल गतिशील होने से इम्यून प्रतिक्रिया बढ़ती है, जिसके बाद खून की नली में सूजन से ब्लड क्लॉट बनता है। जिसमें ज्यादा प्लेटलेट्स इस्तेमाल होने लगते हैं। जो कि टीटीएस की स्थिति होती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि वैक्सीन ने महामारी की घातकता को नब्बे प्रतिशत तक घटाकर रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाई। वहीं वैक्सीन के साइड इफेक्ट छह माह के भीतर सामने आ जाते हैं, इसके उपयोग को दो साल से अधिक का समय हो चुका है। उल्लेखनीय है सरकार ने कोरोना संकट के दौरान कोविशील्ड लेने हेतु व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया था। अब जब इसके दुष्प्रभावों को लेकर संशय पैदा हुआ है तो उसे अपने संसाधनों का इस्तेमाल कर-के लोगों की शंकाओं का निवारण भी करना चाहिए। सेहत से जुड़े किसी भी मामले में किसी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता। यदि किसी तरह असुरक्षा की भावना बढ़ती है तो सरकार को तुरंत दूर करना चाहिए। नागरिकों की शंकाओं का तुरंत ही समाधान किया जाना चाहिए। पब्लिक डोमेन में कंपनी द्वारा चुनावी बांड खरीदे जाने को लेकर भी सवाल उठाये जा रहे हैं। जिसके चलते लोगों के मन में कई तरह के सवाल उपजे हैं, जिनका निराकरण भी सरकार का प्राथमिक दायित्व है। हमें यह भी स्वीकारना चाहिए कि संकटकाल में इस वैक्सीन की तुरंत उपलब्धता से देश की बड़ी आबादी को सुरक्षा कवच उपलब्ध कराया जा सका। बेहद कम समय में कोरोना से लड़ने के लिये उपलब्ध कराई गई वैक्सीन के साइड इफेक्ट से इनकार भी नहीं किया जा सकता। इस बात की आशंका भी है कि टीएसएस प्रभाव कोरोना संक्रमण के बाद भी सामने आ सकते हैं। कुछ विशेषज्ञ मानते हैं कि लॉकडाउन के कारण लाइफ स्टाइल बिगड़ने से लोगों की गतिशीलता में कमी, मानसिक तनाव वृद्धि से मोटापे व मधुमेह के चलते भी हृदयाघात के मामले बढ़े हैं। वहीं दूसरी ओर कुछ हृदयरोग विशेषज्ञों का मानना है कि वैक्सीन बनाने वाली कंपनी को पहले ही बताना चाहिए कि वैक्सीन से टीटीएस जैसे साइड इफेक्ट हो सकते हैं। जानकारी होने पर लोग अपनी प्राथमिकता की वैक्सीन ले सकते थे। वहीं यह भी तार्किक है कि कोई दवा अथवा वैक्सीन यदि असर करती है तो उसके साइड इफेक्ट भी निश्चित रूप से होते हैं। कुछ विशेषज्ञ वैक्सीन के दुष्प्रभावों के आरोपों के मूल में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चल रही वैक्सीन राजनीति को भी बताते हैं। कुछ अमेरिकी विशेषज्ञ वैक्सीन के दुष्प्रभावों को दूर करने के लिये हफ्ते में दो दिन सिर्फ एक बार खाना खाने की सलाह देते हैं, जिससे ब्लड क्लॉटिंग रोकने में मदद मिल सकती है।

## अटकलें हैं तेज !

छोड़ देंगे पार्टी ।
हो गए नाराज ।।
अटकलें हैं तेज ।
ना रहा कुछ राज ।।
सपरिवार जाना है ।
लिया उन्होंने ठान ।।
हो चुके मजबूत ।
ना भटकाना ध्यान ।।
लगे भले ही वक्त ।
खबर आने वाली ।।
घटनाक्रम दिलचस्प ।
आ सकती हरियाली ।।
हो चुका है मोहभंग ।
दौर अलग है आया ।।
लग रहा है इधर से ।
है पूरा सफाया ।।

–कृष्णेन्द्र राय

# सामाजिक न्याय के आंदोलन से उपजे नेताओं ने कभी पिछड़े वर्ग का ध्यान नहीं रखा

नीरज कुमार दुबे

लोकसभा चुनावों में विपक्ष की ओर से संविधान और आरक्षण बचाने की दुहाई दी जा रही है तो सरकार का कहना है कि वह संविधान और आरक्षण की सुरक्षा के लिए चट्टान बन कर खड़ी रही है और आगे भी ऐसा ही करती रहेगी। देखा जाये तो इस बार के आम चुनाव में प्रचार में मुद्दे तो कई उठ रहे हैं लेकिन जनता के असल मुद्दे परिदृश्य से गायब होते जा रहे हैं। गरीबों की बात सभी दल कर रहे हैं। गरीब यह देख कर खुश हैं कि उन्हें बहुत याद किया जा रहा है लेकिन वह यह बात जानते हैं कि मतदान के बाद उनकी सुध लेने कोई नहीं आयेगा। सभी दल सामाजिक न्याय की बात भी कर रहे हैं लेकिन वास्तविक सामाजिक न्याय तभी होगा जब सबका आर्थिक सशक्तिकरण होगा। इसके अलावा शिक्षा को सस्ता कर सबके लिए सुलभ बनाया जायेगा।

सामाजिक न्याय की मांग सबसे पहले बिहार से उठी थी। यह मांग उठायी थी बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री बिंदेश्वरी प्रसाद मंडल ने। बिंदेश्वरी प्रसाद मंडल के राजनीतिक सफर की बात करें तो आपको बता दें कि बिहार के मधेपुरा संसदीय क्षेत्र के भागलपुर से अलग होने के बाद, मंडल ने संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी (एसएसपी) के टिकट पर 1967 का लोकसभा चुनाव जीता था। वह 1968 में थोड़े समय के लिए बिहार के मुख्यमंत्री भी बने थे। मंडल यादव समुदाय से थे और उन्हें दूसरे पिछड़ा वर्ग आयोग का अध्यक्ष भी बनाया गया था। 1978-80 के दौरान वह मंडल आयोग की रिपोर्ट के लेखक बने, जिसने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए सरकारी नौकरियों में कोटा की सिफारिश की थी। मंडल आयोग की रिपोर्ट को 1990 में वीपी सिंह सरकार द्वारा लागू किया गया था। इस घटनाक्रम के बाद बिहार और उत्तर प्रदेश में कई क्षेत्रीय दलों का उदय हुआ था जोकि आज तक राजनीतिक परिदृश्य में काफी महत्व रखते हैं। मधेपुरा शहर की चर्चा तो बहुत होती है लेकिन यह क्षेत्र विकास की बाट अब तक जोह रहा है। मधेपुरा से लगभग 10 किमी दूर, जैसे ही कोई पूर्णिया-सहरसा राजमार्ग से दाहिनी ओर मुड़ता है और रेलवे लाइन पार करता है तो टिन की छत वाले कच्चे घरों की श्रृंखला आपको दिखाई पड़ेगी। यहां पर मुरहो गांव के अंत में पूर्व मुख्यमंत्री बिंदेश्वरी प्रसाद मंडल का स्मारक है। मंडल स्मारक से बमुश्किल 100 मीटर की दूरी पर मुसहर टोले के एक कोने में, एक मिट्टी की झोपड़ी है, जहां क्षेत्र के पहले संसद सदस्य किराई मुसहर के पोते रहते हैं। यह बातें हम आपको इसलिए बता रहे हैं कि नीतीश कुमार, तेजस्वी यादव और राहुल गांधी की ओर से जाति जनगणना के मुद्दे पर राजनीति तो बहुत की गयी लेकिन पिछड़ों के लिए कुछ नहीं किया गया। यही नहीं मंडल के विचारों को भी इन दलों की ओर से दरकिनार कर दिया गया है। देखा जाये तो देश की सामाजिक न्याय की राजनीति के अग्रदूत, मंडल की विचारधारा ने समाजवादी पार्टी (सपा) के संस्थापक दिवंगत मुलायम सिंह यादव, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव और नीतीश कुमार सहित कई समाजवादी नेताओं को जन्म दिया। लेकिन इन दलों ने मंडल को भुला दिया। आज मंडल का पैतृक घर और उनके नाम पर स्मारक मुरहो गांव में उपेक्षा के शिकार दिखते हैं। इस गांव के लोगों का कहना है कि लालू और नीतीश ने सामाजिक न्याय आंदोलन को कमजोर कर दिया क्योंकि दोनों ने अपनी-अपनी जातियों को बढ़ावा दिया और दलितों को कुछ नहीं दिया इसीलिए वह अब भी गरीब बने हुए हैं। गांव के लोगों का कहना है कि महादलितों की हालत और इस गांव की हालत देख कर अंदाजा लगाया जा सकता है कि सामाजिक न्याय के मुद्दे पर राजनीति करने वालों ने देश और समाज को कुछ नहीं दिया। हम आपको बता दें कि यादवों के प्रभुत्व वाले निर्वाचन क्षेत्र मधेपुरा में 7 मई को तीसरे चरण में मतदान हो रहा है। यहां के लोगों का कहना है कि मुरहो गांव से शुरू हुए सामाजिक न्याय के गौरवशाली आंदोलन से जुड़ी यादें जीर्णशीर्ण अवस्था में हैं। उल्लेखनीय है कि मुरहो गांव यादव बहुल है और इसके अन्य समुदायों में कुर्मी और पचपनिया जैसे कुछ अन्य ओबीसी समूहों के साथ-साथ महादलित भी शामिल हैं। यहां के लोग इस गांव का भाग्य बदलने की उम्मीद छोड़ चुके हैं। गांव के युवक कहते हैं कि बीएड की डिग्री ली, आईटीआई का प्रमाणपत्र लिया लेकिन कोई नौकरी नहीं मिली। अधिकांश युवक स्कूली बच्चों को खुले में ट्यूशन पढ़ा कर अपना काम चलाते हैं। बेरोजगारी की स्थिति को लेकर युवकों की नाराजगी हर दल से है। युवकों का कहना है कि कोई भी वास्तविक मुद्दों के बारे में बात नहीं कर रहा है। असली मुद्दा बेरोजगारी है। युवकों का कहना है कि बड़ी डिग्री लेने के बावजूद चपरासी की नौकरी के लिए आवेदन किया है लेकिन एक साल से परीक्षा ही आयोजित नहीं की जा रही है। युवकों का कहना है कि परीक्षा आयोजित भी हो तो पेपर लीक हो जाता है जिससे बड़ा नुकसान होता है। गांव वालों की शिकायत है कि यहां की सुध लेने के लिए कोई राजनेता नहीं आता है। लोगों का कहना है कि हर घर जल योजना के तहत आ रहा पानी अच्छी गुणवत्ता का नहीं है। लोगों का कहना है कि नल तो हैं लेकिन गांव में नालियां नहीं हैं जिससे गंदगी का अंबार लगा रहता है। हम आपको बता दें कि मधेपुरा में 2019 के लोकसभा चुनावों में जेडीयू के दिनेश चंद्र यादव ने राजद के टिकट पर चुनाव लड़ने वाले शरद यादव को 3 लाख से अधिक वोटों से हराया था। इस बार, मौजूदा सांसद दिनेश का मुकाबला राजद के चंद्रदीप यादव से है, जो शिक्षाविद् और पूर्व सांसद रमेंद्र कुमार रवि के बेटे हैं। माना जा रहा है कि इस बार क्षेत्र में कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी।

# लोकसभा चुनाव में मुद्दों को नया विमर्श दें

ललित गर्ग

लोकसभा चुनावों के प्रचार अभियान में एक आवाज बहुत धीमी पर एक वजन और पीड़ा के साथ सुनने को मिल रही है कि इस चुनाव को येन-केन-प्रकारेण जीतने के सभी जायज एवं नाजायक प्रयोग हो रहे हैं, लेकिन नैतिकता, मूल्य एवं आदर्श की बात कहीं भी सुनाई नहीं दे रही है। देश का राजनीतिक भविष्य तय करने वाले इन चुनावों में एक और विडम्बना देखने को मिल रही है कि राष्ट्र विकास के मुद्दों एवं आजादी के अमृतकाल को अमृतमय बनाने की कोई चर्चा नहीं है। देश को दिशा देने एवं कोई नया विमर्श खड़ा करने का नेताओं के पास अभाव है, जो अपने-आप में एक त्रासदी है। मतदाताओं की लोकतंत्र के महाकुंभ में भागीदारी का घटना भी एक चिन्ता का सबब है। जबकि किसी भी राष्ट्र के जीवन में चुनाव सबसे महत्त्वपूर्ण घटना होती है। यह एक यज्ञ होता है। लोकतंत्र प्रणाली का सबसे मजबूत पैर होता है।

विभिन्न राजनीतिक दल आरक्षण का मुद्दा खड़ा करके जहां अल्पसंख्यकों को अपनी ओर खींचने की कोशिश करते हुए भाजपा को आरक्षण विरोधी बता रहे हैं और गृहमंत्री अमित शाह के आरक्षण विषयक बयान को तोड़-मरोड कर झूठे एवं फेक वीडियो के माध्यम से भाजपा के चरित्र को धुंधला रहे हैं, वहीं आम महिलाओं के डर का सहारा लेते हुए उनके मंगल सूत्र और स्त्री धन को छीन लिए जाने की बात कही जा रही है। सैम पित्रोदा के विरासत कर संबंधी बयान से आम जनता के धन को हथियाने की बातें भी हो रही है। लेकिन प्रश्न है कि क्या कांग्रेस पार्टी के सत्ता में आने की संभावना है? सत्ता के सिंहासन पर अब कोई राजपुरोहित या राजगुरु नहीं अपितु जनता अपने हाथों से तिलक लगाती है। चुनाव अभियान तीसरे चरण की ओर अग्रसर हैं। सब राजनैतिक दल अपने-अपने ह्यघोषणा-पत्रह्न को ही गीता का सार व नीम की पत्ती बता रहे हैं, जो सब समस्याएं मिटा देगी तथा सब रोगों की दवा है।

एक-दूसरे की नीतियों एवं योजनाओं की आलोचना चुनाव का हिस्सा बनी हुई है और बनना भी चाहिए। लेकिन एक-दूसरे पर भीषण एवं भद्दे आरोप लगाना, लोकतंत्र की मयार्दा का उल्लंघन है। परंतु मौजूदा चुनाव प्रचार में राष्ट्रीय एकता एवं सामाजिक समरसता के ताने-बाने को क्षति पहुंचाने की चेष्टा का होना दुर्भाग्यपूर्ण है। सभी दल भाषणों में नैतिकता की बातें करते हैं और व्यवहार में अनैतिकता को छिपा रहे हैं। चुनाव आयोग के आंकड़ों की ही बात करें तो पिछले सप्ताह तक ही आचार संहिता उल्लंघन की 200 से अधिक शिकायतें आ चुकी है। जिनमें से 169 शिकायतों पर आयोग ने कार्रवाई की है। शिकायतों के आंकड़े बढ़ते ही जा रहे हैं। वास्तव में इन चुनावों में नेताओं ने भाषा एवं भावों को इतना बदरंग, अशालीन एवं भोंथरा कर दिया है कि शर्म-सी महसूस होती है। दागी उम्मीदवारों के दागों का पदार्पाश होना भी इन चुनावों का हिस्सा है। कथित तौर पर प्रज्वल रेवन्ना से जुड़े वीडियो क्लिप प्रसारित होने से देखा गया है कि महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा की घटना हुई है। रेवन्ना के खिलाफ शिकायत कुछ महिलाओं के शोषण तक ही सीमित नहीं है, अब अनेकों शिकायतें सामने आएगी और हर शिकायत को ईमानदारी से परखना होगा। सबसे ज्यादा गंभीर बात तो यह है कि आरोपी जर्मनी भाग गया? अगर रेवन्ना दोषी हैं तो उन्हें कानून का सामना करना चाहिए। अगर वह कानून से भागेंगे तो इससे उनकी पार्टी और एनडीए दोनों को ही नुकसान होगा। रेवन्ना देश के पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के पौत्र है और उन पर लगे आरोप बहुत ही गंभीर और शर्मनाक है। सत्ता का किसी भी प्रकार का दुरुपयोग ज्यादा समय तक लाभकारी नहीं होता है। हमारा समाज ऐसे मुकाम पर आ गया है, जहां हम किसी महिला के साथ न ज्यादती की सुन सकते हैं और न किसी को करने दे सकते हैं। बात प्रज्वल रेवन्ना एवं बृजभूषण शरण सिंह तक सीमित नहीं हैं, विशेषतः चुनाव में ऐसे मुद्दों का उठना प्रासंगिक है, जिससे उम्मीदवारों को अपने गिरेबार में झांकने का अवसर मिलता है। राजनीतिक दलों को भी उम्मीदवारों का चयन करते हुए उनके चरित्र की परख गहराई से करनी ही चाहिए। वर्ष 2024 के चुनावों में हम सात में से तीसरे चरण की ओर बढ़ रहे हैं, लेकिन अभी तक भाजपा की चुनावी थीम सामने नहीं आई है, विपक्षी दलों के घोषणा पत्रों या चुनावी बयानों की चीरफाड ही होती हुई दिख रही है। आतंकवादियों और दुश्मनों को उनके घर में घुसकर मारने की बात करने वाली भाजपा के बयानों में चीन पूरी तरह गायब है और पाकिस्तान का जिक्र भी बहुत कम है। निश्चित ही भाजपा जीत की ओर अग्रसर है, इसमें कोई संदेह नहीं है। लेकिन सुनिश्चित जीत के साथ सुनिश्चित भविष्य की बात भी होनी ही चाहिए। हकीकत में चुनाव में अनेक उतार-चढ़ाव के बावजूद मोदी का जादू चल रहा है, ऐसी अनेक वजहों से 2024 असाधारण रूप से बिना सशक्त मुद्दे के ही गतिमान है। आश्चर्य की बात यह है कि हमारी राष्ट्रीय राजनीति के मौजूदा दौर के सबसे बड़े जादूगर नरेंद्र मोदी ने अब तक इन चुनावों के लिए कोई सशक्त मुद्दा नहीं पेश किया है जो पहले से सातवें चरण तक चल सके। हर चुनावी चरण एवं सभा में एक नया मुद्दा उभर रहा है, जो कुछ दूर चल कर पृष्ठभूमि में चला जाता है।

भाजपा की ओर से इन चुनावों में मोदी ही मुद्दा है। चुनाव अभियान का आरंभ करते हुए कहा गया कि नरेंद्र मोदी ही भारत को अधिक ऊंचा वैश्विक कद दिला रहे हैं। भारत मंडपम में जी 20 शिखर बैठक को भुनाने की कोशिश हुई। लेकिन यह भी मुद्दा चुनावी गणित में फिट नहीं हुआ। महिला मतदाताओं को लुभाने का दांव भी चला। निर्वाचन वाली संस्थाओं में महिलाओं के आरक्षण के लिए आनन-फानन में पारित कानून इसका हिस्सा था। लेकिन भाजपा के चुनाव प्रचार में इसका जिक्र भी नहीं सुनने को मिल रहा है। इन चुनावों में भी पार्टी के उम्मीदवारों में महिलाओं की हिस्सेदारी 16 फीसदी है। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को भी चुनावों के लिहाज से गर्म मुद्दा माना गया था। इसके बावजूद विभिन्न राज्यों में भाजपा के नेताओं के चुनाव भाषणों पर नजर डालें तो पता चलता है कि उनमें इस पर जोर या इसका जिक्र नहीं है। यह मुद्दा हाल में तब उठा जब ऐसे संकेत मिले कि राहुल और प्रियंका गांधी राम मंदिर जा सकते हैं। कुछ सप्ताह पहले भारत रत्न की घोषणा का मुद्दा भी दूर तक नहीं चल सका। ऐसी अनेक उपलब्धियां एवं ऐतिहासिक कार्य हैं, जो मोदी के कद को ऊंचा तो बनाते हैं, लेकिन चुनाव की दिशा को एकदम एवं दूर तक प्रभावित नहीं कर पा रहे हैं। बात राज्यों की हो या केन्द्र की, भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरुपयोग पर चुनावों में चर्चा होनी ही चाहिए। भारत के मतदाता मिलकर सरकारों को जवाबदेह ठहराने में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। लेकिन मौजूदा लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में मतदान 2019 की तुलना में 7 प्रतिशत कम हुआ है। यह एक चिंताजनक संकेत है और चुनावी प्रक्रिया से मतदाताओं के अलगाव को दशार्ता है। यह भाजपा के मतदाताओं में चली आई आत्मसंतुष्टि की ओर भी संकेत करता है, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल को लेकर आश्वस्त हैं। हालांकि, इसका एक और पहलू यह भी है कि 2023 में, प्यू रिसर्च सेंटर ने भारतीय मतदाताओं का एक सर्वेक्षण किया था, जिसमें पता चला था कि 85 प्रतिशत लोगों ने भारत में सैन्य शासन या निरंकुश नेता का समर्थन किया था। क्या शासन के अच्छे तरीके के रूप में लोकतंत्र के समर्थन में गिरावट का ही परिणाम कम होता मतदान है? अगर मतदाता लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपना विश्वास खो रहे हैं तो यह भारत के लोकतंत्र और भविष्य के लिए चिंताजनक संकेत है।

# मासूम के साथ दुष्कर्म के बाद घर पर छोड़ा, हालत गंभीर

प्रखर पिंडरा वाराणसी। फूलपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में बुधवार की देर रात 6 वर्षीय एक मासूम बच्ची को अज्ञात व्यक्ति द्वारा अपहृत कर उसके साथ दुष्कर्म किये जाने का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। सुचना पर पहुंची फुलपुर पुलिस खुन से लथपथ मासूम को बीएचयू स्थित ट्रामा सेंटर में उपचार के लिए भर्ती कराया है। पुलिस के साथ मौके पर एसीपी पिण्डरा प्रतीक कुमार डाग स्क्वायड के साथ मामले की छानबीन करते हुए कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार बीती रात पिड़िता घर के बाहर बरामदे में अपनी दादी, बड़ी बहन और छोटे भाई के साथ सोई थी उसके पिता घर से कुछ दुर खेत की रखवाली करने चले गये थे जबकि दादा घर से सौ कदम दूरी पर हैंडपंप के पास सोये थे। रात लगभग 12 बजे के बाद मासुम बच्ची हैंडपंप पर पानी पीने पहुंची उसी समय कोई अज्ञात दरिंदा उसका मुंह दबाकर अगवा करके गांव के बाहर एक विद्यालय के पास स्थित तालाब के पास ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया और बदहोशी की हालत में घर के पास छोड़ कर भाग गया। दुष्कर्मी मुह बांधा हुआ था। लगभग 3 बजे रात जब पिड़िता को होश आया तो खुन से लथपथ रोती बिलखती घर पहुंची और परिजनों को आपबीती सुनाई। लड़की के आने के कुछ देर बाद उसके पिता ने पुलिस को सूचना दिया। सूचना पर एडीसीपी आकाश पटेल, एसीपी प्रतीक कुमार, इंस्पेक्टर फूलपुर संजय मिश्रा, डॉग स्क्वायड, फॉरेन्सिक टीम मौके पर पहुँची और जांच पड़ताल में जुट गई। वही पुलिस ने संदेह के आधार पर कई लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ करने में जुटी हुई है।

## आपसी रंजिश में मारपीट दर्जन भर घायल

पिंडरा। फूलपुर थाना क्षेत्र के नथईपुर गांव में आपसी रंजिश के चलते दो पक्षों में खूनी संघर्ष के चलते उभय पक्षों से 4 महिलाओ सहित एक दर्जन घायल हो गए ।घायलों में दो की हालत गंभीर बताई जाती है। बताया जाता है कुआर बाजार निवासी हुसनैन की मीट की दुकान पर इस्तियाक अली बुधवार की सायंकाल में मीट लेने गया था । इसी दौरान भाव को लेकर कहासुनी हो गई बाद में लगभग 8 बजे जब इस्तियाक कुआर स्थित पेट्रोल पंप के सामने से कुछ घरेलू खरीद कर घर जा रहा था तभी हुसनैन से मारपीट हो गई उस समय लोग बीच बचाव कर दोनों को घर भेज दिए। किन्तु रात में लगभग 11 बजे एक दर्जन महिला - पुरुष बाजार से लाठी डंडे से लैश होकर नथईपुर पहुँच कर मारपीट किया । जिसमें एक पक्ष के इलियास 34 वर्ष, इस्तियाक 29 वर्ष, अख्तर 24 वर्ष सद्दाम 26 वर्ष , मुहम्मद खारुक 42 वर्ष, खुशी 18 वर्ष व जैरुन निशा 52 वर्ष घायल हो गई। जिसमे इस्तियाक की हालत गंभीर बताई जाती है वही दूसरे पक्ष के हुसनैन 21 वर्ष मुमताज 42 वर्ष, सिमताज 45 वर्ष रूबी 38 वर्ष व नूरजहाँ 42 वर्ष घायल हो गए । जिसमे सिमताज की हालत गंभीर बताई जाती है। फूलपुर पुलिस ने दोनों पक्ष के तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

## मूलभूत सुविधाओं का दंश झेल रहे कंपोजिट विद्यालय के बच्चे

जखनियां गाजीपुर। तहसील व विकास खंड जखनियां क्षेत्र अंतर्गत जमसड़ा ग्राम पंचायत के कंपोजिट विद्यालय सिंधु बारी में मानक में बने कक्षों की साज-सज्जा उत्तम काष्ठ आसन व्यवस्था प्रत्येक कक्ष में उपलब्ध लाईब्रेरी जिसमें मौजूद उपयोगी पुस्तकें छात्र छात्राओं में आदर्श संस्कार की झलक सबके सब काबिले तारीफ हैं। फिर भी सरकार द्वारा प्रदत्त लाख सुविधाओं के बावजूद विद्यालय में पढ़ने वाले मासूम आज भी अपनी मूलभूत सुविधाओं के लिए तरसने को बाध्य हैं। वर्ष 2013 में मूलभूत शैक्षिक सुविधाओं के मद्देनजर स्थापित विद्यालय में आज भी मूलभूत सुविधाएं नदारद हैं।दिव्यांग शौचालय के साथ साथ जहां बालक शौचालय का अभाव है वहीं शुद्ध पेयजल जल की किल्लत मासूमों की जिंदगी के साथ खुला खिलवाड़ बनकर रह गया है। ताज्जुब इस बात का है कि सत्र 19-20से संचालित जूनियर हाईस्कूल में अब तक किसी शिक्षक की नियुक्ति तक नहीं हो पाई है। संयुक्त रूप से कक्षाओं का संचालन किया जाना भी शैक्षिक बाध्यता को रेखांकित करता है। मौसम के बिगड़ते मिजाज में जहां विद्युत प्रकाश की कमी खलती है वहीं विद्यालय से सटा खड़ंजा संपर्क मार्ग अपनी उपेक्षा पर आंसू बहाने को लाचार है। चतुर्दिक चहारदीवारी निर्माण के बाद भी मुख्य द्वार का अभाव आज भी बना हुआ है। जिसके चलते छुट्टा आवारा पशुओं का आना-जाना लगा रहता है और मासूमों के चोटिल होने का खतरा मंडराता रहता है। स्थानीय अभिभावकों ने विद्यालय में पढ़ाई लिखाई के प्रति किसी तरह की कोताही से इंकार करते हुए युवा प्रधानाध्यापक लालजी विश्वकर्मा और सहायक शिक्षिकाओं के प्रति संतोष व्यक्त करते हुए बताया कि सभी लोग समय से विद्यालय आकर अपने कार्य दायित्व का मनोवेग से निर्वहन करते हैं। कक्षा पांच के छात्रों ने विद्यालयी सुविधा की जानकारी देते हुए कहा की पुस्तकालय, गणित किट, के अलावा खेलकूद की सामग्री पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। जिसका मध्यावकाश में हमसब भरपूर आनंद उठाते हैं।

## खुद को कभी सुना ही नहीं

खुद को कभी सुना ही नहीं !!
खुद से कभी मिले ही नहीं !!
भुल गए पसंदीदा रंग कौन सा है !!
भुल गए पसंदीदा भोजन क्या है !!
जिंदगी के भाग-दौड़ में !!
खुद को कभी समझा ही नहीं !!
खिलखिला कर कब हंसी थी !!
खुद को याद ही नहीं !!
याद तब आया जब जिंदगी फिसल गई !!
खुद को कभी जाना ही नहीं !!
खुशी ढुढ़ने निकले थे !!
जिंदगी भी भुल गए !!
जो कुछ पहले से थी !!
वो भी कहीं साथ छोड़ गयी !!
क्या चाहिए था हमें !!
जो कभी मिला ही नहीं !!
कहीं मन के एक कोने में कुछ टुटा है !!
उस कोने में कभी झांका ही नहीं !!
कुछ तो है एक अंधेरे कोने में !!
अभी तक देखा ही नहीं !!
कभी कभी सोचती जरुर हूं !!
मैंने खुद को कभी सुना ही नहीं !!
क्या पाना था जिंदगी में !!
जो कभी मिला ही नहीं। !!
आंखें बंद कर के बैठे तो !!
एक पल में पुरी जिंदगी नजर आ गयी !!
एहसास तब हुआ !!
क्या चाहा था जो कभी मिला ही नहीं !!
चेहरे पर झूठी मुस्कान सजा कर !!
खुद को ही छलते रहें !!
लोगों को दिखाने के लिए !!
खुद को खोते रहे !!
औरों को खुश करते रहे !!
खुद को मारते रहे !!
क्या चाहिए था !!
जो कभी मिला नहीं !!

मीना सिंह राठौर
नोएडा उत्तर प्रदेश

# इंसानी जज़्बातों को हिला देने वाला उपन्यास

पुस्तक समीक्षा

दिव्या सिंह

**ब्रह्मवीर सिंह का नवीनतम नॉवेल 'बुत मरते नहीं' पढ़कर समाप्त किया और अब जब मानसिक सन्नाटे की अवस्था से बाहर निकल पाई हूं तो इस अविश्वसनीय रूप से यथार्थपरक रचना के संबंध में अपने विचार व्यक्त करने की एक कोशिश कर रही हूं।**

उपन्यास की शुरुआत सुमंत नामक एक जीवन से हारे हुए पात्र के साथ होती है जो रोज़ रात के अंधेरे में झुरमुटों के बीच एक उद्देश्य के साथ आगे बढ़ता है। शुरुआती इन पांच-छह पन्नों में ही लेखक ने अपनी लेखन क्षमता से लोगों को बांध लिया है। रात्रि दृश्यों का आकल्पन सटीक है। सुमंत की मानसिक पीड़ा का अनुभव पाठक के लिए कम दुखद नहीं है और यह उसकी इंद्रियों को चौकस कर देता हैं। पाठक जल्द से जल्द जान लेना चाहता है कि ऐसा क्या हुआ जिसकी वजह से सुमंत इस गति को प्राप्त हुआ। लेकिन अभी तो महज शुरूआत है। आगे सुमंत के साथ पाठक के दिल पर भी बहुत जख्म होने वाले हैं।

उदय इस उपन्यास का नायक, एक शैतान किस्म का और मित्रता को जीने वाला नवयुवक है। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, पाठक भी उदय से प्यार करने लगता है। उसकी और सुमंत की दोस्ती पर रचे गए किस्से मन को सहलाते हैं। भरोसा दिलाते हैं कि ऐसे कुछेक अच्छे लोग हमेशा इस दुनिया में आपको मिल सकते हैं जो जीवन संघर्ष के दौरान भरोसे का संबल बनते हैं।जवानी के दिनों में दोस्तों के साथ की गई मटरगश्ती का दौर हर पाठक के जेहन में तैर जाएगा। लेकिन देखा जाए तो इस उपन्यास की असल जान बसती है बलदेव के किरदार में। वैसे तो यह पूरी तरह नेगेटिव केरेक्टर है जिसके बारे में पढ़कर हैरानी होती है कि विजय प्रताप जैसे सज्जन पुरुष का छोटा भाई इतना कसैले मन का और हैवान प्रवृति का हुआ तो हुआ कैसे। लेखक ने पेज दर पेज बलदेव के चरित्र को जैसे डेवलप किया है, उसे पढ़कर ऐसा लगता है जैसे बलदेव ने बालपन में सिर्फ जाति द्वेष का पाठ पढ़ा और जवानी में खुली आँखों से राजनैतिक रसूख हासिल करने के सपने देखे फिर रास्ता चाहे जितना भी घिनौना क्यों न हो। अपने सपने को हासिल करने के लिए हर मौके को भुनाने में पारंगत बलदेव कितनी हिंसक प्रवृत्ति का है, यह आपको ईंट भट्टे का दृश्य पढ़कर पता लगेगा। इस दृश्य को जिस भयावहता के साथ लेखक ने रचा है, सच कहूं, रोंगटे खड़े हो जाते है। अब तो भविष्य में किसी भी सफ़र के दौरान अगर ईंट भट्ठा सामने पड़ा तो बलदेव का किरदार बगल में खड़ा अट्टहास करता मेरे जेहन में उतर आएगा। मुंशी की निकृष्ट इंसानी

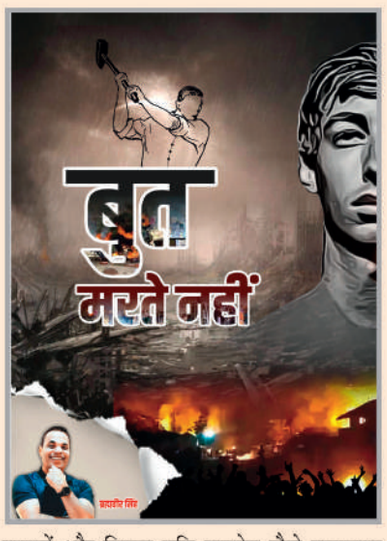


हरकतें और विकृत बुद्धि बलदेव जैसे जन्मजात राजनेता को भड़काने और राह सुझाने के काम आती हैं। बलदेव को उकसा कर अपना मतलब साधने में वह पारंगत है। विजय प्रताप और पूरन दो ऐसे पात्र हैं जिनकी सज्जनता ही उनकी जिन्दगी की सबसे बड़ी समस्या बन जाती है। हुड़दंगियों की भीड़ में ऐसे सरल और समझदार लोग किनारे धकेल दिए जाते हैं और सिवाय हाथ मलते तमाशाई मंज़र देखने के अलावा उनके पास कोई चारा नहीं रहता।

उपन्यास में अन्य अनेक ऐसे पात्र हैं जिन्हें पढ़कर पाठक निजी जीवन में बिल्कुल करीब से देखे गए किसी शख़्स से मिलान करेगा। क्योंकि यही वे व्यक्ति हैं जो जीवन के प्रति इंसान के अनुभव को कड़वा बनाते हैं।

अब बात लेखन की। उपन्यास में इंसानी जज़्बातों को हिला कर रख देने की क्षमता है। रचना में एक सहज प्रवाह है। पात्र और घटनाएं यूं लगती हैं कि जैसे अपने ही किसी मामा-चाचा के परिवार की असल जिन्दगी को कागज पर उतार दिया गया हो। लेखक ने अपनी रचना को ₹विशेषर बनाने के लिए ₹अस्वभाविक हस्तक्षेपर नहीं किया है। घटनाओं को पेज दर पेज तेज गति से घटने दिया है, पात्रों को उस माहौल में टिकने दिया है। पात्रों के सरल आपसी संवाद पाठक का मन मोह लेते हैं। सहज मानवीय व्यवहार और सरल दृश्य सृजन रचना का मुख्य आकर्षण है जो पाठक को बांध कर रखता है। उसके लिए कहानी को बीच में छोड़कर उठना कठिन हो जाता है। कहानी और दृश्य सृजन से सहज आभास होता है कि यह सब लेखक के 'अनुभव के दायरे' में है। किसी भी रचना में कल्पना का समावेश तो होता ही है लेकिन अगर वही लेखक का अनुभव जगत हो, उसके संपर्क का दायरा हो, तो लेखन में 'कृत्रिमता' यानि नकलीपन नहीं आता और यही आभास इस रचना को पढ़कर होता है कि लिखने से पहले लेखक ने पर्याप्त होमवर्क किया है। यही मेहनत उपन्यास को पठनीय बनाती है। पाठक को अच्छे लोगों के साथ सिर्फ बुरा होते देख निराशा होती है लेकिन जैसा लेखक ने कहा है कि वे कहानी का अगला भाग लाएंगे तो उस भाग में बलदेव का पतन हो और सुमंत ही उसे धूल चटाए, ऐसा पाठक चाहता है। देखते हैं कि अगला भाग क्या कुछ लेकर आता है। अब सुमंत के साथ लेखक के कंधों पर भी उम्मीदों का भार आन पड़ा है। बहरहाल एक यथार्थपरक और पठनीय रचना के सृजन के लिए लेखक को बधाई।

गांव की कहानी

आचार्य मोतीराव कंगाली

## धार्मिक मान्यताओं का गांव कंवरीगढ़

रायपुर जिले के धमतरी तहसील में स्थित कंवरीगढ़ वर्तमान में गोंड राजाओं का एक प्राचीन गढ़ है, जो खंडहर के रूप में तब्दील हो चुके हैं। यहां पर सात आगर सात कोरी तालाब हैं, जिसे हम 147 तालाबों की संख्या में जान सकते हैं। यहां के गढ़ के खंडहर में गढ़िया देव और मावली माता हैं। गढ़िया देव के दो फर्लांग दूरी पर चंडी दाई का ठाना है, जहां कंवार और चैत्र माह में मेला लगता है। यहां पर संभु गवरा पिंड के अवशेष प्राप्त हुए हैं कंवरी गढ़ के मध्य में नरसिंग नाथ का देवालय है। नरसिंग नाथ यानि ग्राम की रक्षा करने वाली देवता, जिसके देवालय की दीवारों पर शेर, भालू, घोड़ा, बंदर आदि के चित्र उकेरे गए हैं। इसी देवालय के समीप सतबहिनी देवालय है, जहां सात बहनों की पूजा होती है, जिन्हें गोंडी में रयाबाईक पेन्क कहा जाता है। यह गांव इतिहास के अनेक धरोहरों को आज भी संजोए हुए हैं। धार्मिक महत्व के इस गांव में आसपास के गांवों से अपनी देवालयों में अपनी श्रद्धा प्रकट करने आते रहते हैं।

लोक साहित्य

डा. सत्यभामा आड़लि

## इतिहास के पन्नों में छत्तीसगढ़ी कहानी

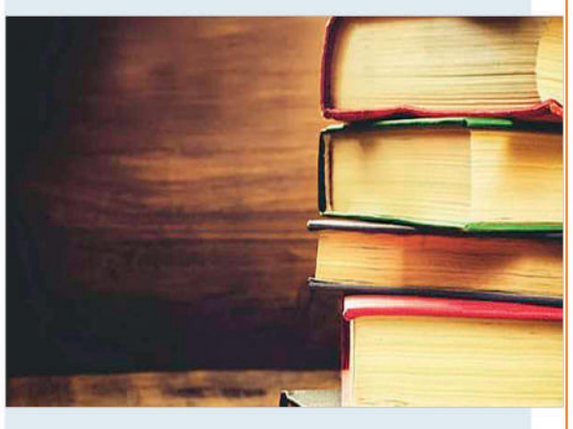

छत्तीसगढ़ी में हीरालाल काव्योपाध्याय ने ही सर्वप्रथम कथा लेखन का श्रीगणेश किया था। उनके व्याकरण ग्रंथ में छत्तीसगढ़ी में श्रीराम कथा, ढोला और चंदैनी की कहानी निबद्ध है। श्रीराम कथा में छत्तीसगढ़ में प्रचलित राम कथा के स्वरूप को कथात्मक रीति से प्रस्तुत किया गया है। ढोला की कहानी में ढोला और मारू की कहानी को नए कौशल और साहित्यिक सौंदर्य के साथ रखा गया है, तथा चंदैनी की कहानी में लोरिक और चंदा की कहानी प्रस्तुत की गई है। हीरालाल काव्योपाध्याय के लगभग साढ़े तीन दशकों के उपरांत तक कोई उल्लेखनीय कथा -सृष्टि देखने में नहीं आती। बहुत बाद बंशीधर शर्मा की कहिनी का प्रकाशन हुआ। इसके उपरांत विकास पत्रिका में सीताराम मिश्र द्वारा लिखित लोककथा सुरही गाय के कहिनी प्रकाशित हुई थी, पर इसमें वह साहित्यिक गतिविधियां विद्यमान नहीं है, जो हम हीरालाल काव्योपाध्याय की कहानियों में पाते हैं। फलतः काव्योपाध्याय के पश्चात 65 वर्षों तक हमें छत्तीसगढ़ी कहानी के उल्लेखनीय रूप नहीं मिलते।

**छत्तीसगढ़ में हैहय राजवंश व कलचुरी शासकों के काल में देवारों को विशिष्ट स्थान राज दरबार में प्राप्त था। इस समुदाय के पुरुष जहां कुशल सेनापति, बहादूर सैनिक, कुशल लोक वाद्य वादक होने के साथ ही स्त्रियां की नृत्य कला में उत्कृष्टता के कारण इन्हें राजाओं का संरक्षण प्राप्त रहता था। इस समुदाय का प्रतिनिधि लोक वाद्य रुंजु विलुप्तता के कगार पर है। संपूर्ण छत्तीसगढ़ में दो-चार ही रुंझु लोक वाद्य वादक अभी इसका कुशलतापूर्वक वादन कर पा रहे हैं।**

# देवारों की विशिष्ट भाषिक संपदा

जनजाति : रामकुमार वर्मा

छत्तीसगढ़ प्रदेश के सुदूर पहाड़ियों एवं स्थानीय रूप से निवास करने वाली जनजातियों और घुमंतू जीवन शैली व्यतीत करने वाले पारधी, बसदेवा, देवारों सहित अन्य घुमंतू जाति अपनी रोजी-रोटी व व्यावसायिक कारणों से एक स्थान से दूसरे स्थान जाते-आते हैं। इन समुदाय के लोग अन्य समुदाय के लोगों को मारखा कहते हैं। इनसे संवाद करते समय ये छत्तीसगढ़ी भाषा का उपयोग करते हैं। इनकी भाषा भी पूरी तरह से व्याकरणिक कोटियों पर आधारित होती है। अतः किसी भी मानक भाषा से देवारों की भाषिक संपदा कमतर नहीं है। इसमें व्याकरण के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, लिंग, क्रिया, मुहावरे, लोकोक्तियां, पहेलियां, लोक गीत, लोक कथाएं, लोक गाथाएं आदि भाषा की सभी विधाएं इसमें शामिल रहती हैं। छत्तीसगढ़ में हैहय राजवंश व कलचुरी शासकों के काल में देवारों को विशिष्ट स्थान राज दरबार में प्राप्त था। इस समुदाय के पुरुष जहां कुशल सेनापति, बहादूर सैनिक, कुशल लोक वाद्य वादक होने के साथ ही स्त्रियां की नृत्य कला में उत्कृष्टता के कारण इन्हें राजाओं का संरक्षण प्राप्त रहता था। इस समुदाय का प्रतिनिधि लोक वाद्य रुंजु विलुप्तता के कगार पर है। संपूर्ण छत्तीसगढ़ में

दो-चार ही रुंझु लोक वाद्य वादक अभी इसका कुशलतापूर्वक वादन कर पा रहे हैं। इसमें गाड़ाडीह पाटन के लेड़गा राम देवार, साजा डोंगीतराई से हरि राम नेताम, परपोड़ी से अशोक, चेचानमेटा सेफन्नु देवार अपने पुरखों की संगीतप्रियता और लोक वाद्य वादन की कुशलता को बरकरार रखे हुए हैं। इनकी भाषिक संपदा में 'लड़का' को 'लुचका', 'लड़की' को 'लुचकी', 'पुरुष' को 'कजुआ', 'स्त्रियों' को 'कजनीन', 'पुलिस' को 'चिरबना','दाऊ-दीवानों' को 'गिरिया', इनकी स्त्रियों को 'गिरियायीन',' साड़ी' को 'सिफरी', 'साया' को 'धयागियान', 'पोलखा' को 'छेलाऊज', 'फूल्ली' को 'छूछी' आदि कहा जाता है। देवार अपने को सभी से उच्च कुल और सुंदर मानते हैं। एक पतरेंगवा नामक पक्षी और मनिहार को सांपों में सुन्दर व उसकी सुघड़ता से तुलना कर जात सुघ्घर देवार कह कर अपने को श्रेष्ठ बताते हैं। लोक गाथाओं में देवारों की भाषिक संप्रदाय की बहुलता है। इसमें लोरिक चंदा, अहीमन कइना, ढोला मारू, दसमत कइना, सीताराम, नगेश्वर कइना, केवला रानी सहित देवारों का करमा लोक गीतों के विषय की विविधता को लोक साहित्य की माईकोठी कहें, तो कोई अतिश्योंक्ति नहीं होगी।

## कभी नहीं सूखता प्राकृतिक जलस्त्रोत गेल्हा चूआ

प्राचीन काल में मनुष्य वहीं बसता था, जहां प्राकृतिक रुप जल का स्त्रोत होता था। पहाड़ में एकत्रित वर्षा जल बाहर निकलने का रास्ता ढूंढ लेता है और वह चूआ या ढ़ोढी कहलाता है। सरगुजा जिले के लखनपुर में झिनपुरी पारा के समीप से गुजरने वाली चुल्हट नदी के किनारे एक विशाल वृद्ध आम वृक्ष जड़ के नीचे विद्यमान अत्यंत मनोरम गेल्हा चूआ ढोढी अपने बीते कल के इतिहास को समेटे हुए है। भीषण अकाल के दिनों में भी लखनपुर ही नहीं वरन आसपास दूरदराज गांव के लोग भी अपनी प्यास बुझाने इस ढोढी से पानी ले जाते थे। आज भी नगर में जब कोई शादी विवाह जैसे मांगलिक कार्य किसी के घरों में होते हैं, तब उस महिला के ससुराल वाले नवविवाहिता को पूरे सोलह श्रृंगार से सुसज्जित कर विधिवत ढोढी गेल्हा चूआ का दर्शन पूजन कराते हैं, ताकि आने वाले भविष्य में ढोढी रूपी दैवीय शक्ति की कृपा दृष्टि उस दुल्हिन के घर परिवार पर बनी रहे। यह भी मान्यता है कि जिस घर में इस ढोढी के जल का उपयोग होता है उस घर में सुख समृद्धि आती है। बरसात के दिनों में यहां का नजारा और भी मनमोहक नजर आता है।

पर्यटन : मुन्ना पांडे

सुरता : डा. देवधर महंत

## शिक्षा और साहित्य के प्रेरक थे डा.सरोज कुमार मिश्र

डा.सरोज कुमार मिश्र का पूरा जीवन संघर्ष का पर्याय रहा। शिक्षा और शोध के क्षेत्र में आपने काफी काम किए। आपने राजनीति विज्ञान, हिंदी, इतिहास एवं दर्शन शास्त्र में अच्छे अंकों के साथ स्नातकोत्तर की उपाधि ली थी। आप

'छत्तीसगढ़ में कबीर पंथ एवं सतनाम संप्रदाय' पर पीएचडी तथा 'अघोर मत सिद्धांत, साधना और संप्रदाय' विषय पर डी.लिट् की उपाधि के लिए किया गया शोधकार्य अद्वितीय तथा कालजयी है। छत्तीसगढ़ महाविद्यालय रायपुर में अध्ययनकाल के दौरान ही सरोज मिश्र पत्रकारिता से जुड़ गए थे। सन 1993-94 में वे शासकीय महाविद्यालय कसडोल के प्राचार्य रहे। वहीं गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर के राजनीति विज्ञान विभाग की शोध उपाधि समिति के विषय विशेषज्ञ रहे। आपके निर्देशन में अनेक शोधार्थियों को पी.एच.डी.की डिग्रियां हासिल हुईं। सरोज जी श्रेष्ठ कवि और लेखक भी रहे। डा.मिश्र की छत्तीसगढ़ का अकाल दर्शन, समाजवादी संकल्पों के नए क्षितिज तथा सफलता के नव आयाम जैसी तीन कृतियां प्रकाशित हुई। वहीं अनेक कृतियां आज प्रकाशन की बाट जोह रही हैं। अपने विद्यार्थियों के साथ छात्रों को सदैव शिक्षा के लिए प्रेरित करते रहते थे। ऐसे प्रेरक और कर्मठ व्यक्तित्व का अस्वस्थता के कारण नागपुर में 26 अगस्त 1997 को 55 वर्ष की आयु में असामयिक निधन हो गया।

संस्कृति

डा. ज्योति किरण चंद्राकर

**क्वार मांह के कृष्ण पक्ष में पूर्णिमा से अमावस्या तक 15 दिनों के पितृपक्ष में उनकी मृत्यु तिथि के अनुसार ही पितृ-तर्पण किया जाता है। पितृ-तर्पण का कार्य घर का बड़ा बेटा हाथ में तिल-चावल व जौ मिश्रित जल की तीन-तीन अंजली तालाब में अर्पित करता है। महिलाओं का पितृ तर्पण नवमी के दिन तथा पुरुषों का पितृ तर्पण उनके मृतक तिथि के अनुसार किया जाता है।**

## अंचल में पितर पाख का महत्व

पूर्वजों को विधि विधान से तर्पण को आंचलिक भाषा में पितर पाख कहा जाता है। पितृपक्ष के पहले दिन को पितर बैसकी व अंतिम दिन को पितर खेदा कहा जाता है। पितर बैसकी में पितरों का आव्हान कर उन्हें आमंत्रित किया जाता है ताकि उनका आशीर्वाद अपने परिवार को मिलता रहे, तथा किसी भी अनहोनी घटना से बचा जा सके। क्वार मांह के कृष्ण पक्ष में पूर्णिमा से अमावस्या तक 15 दिनों के पितृपक्ष में उनकी मृत्यु तिथि के अनुसार ही पितृ-तर्पण किया जाता है। पितृ-तर्पण का कार्य घर का बड़ा बेटा हाथ में तिल-चावल व जौ मिश्रित जल की तीन-तीन अंजली तालाब में अर्पित

करता है। महिलाओं का पितृ तर्पण नवमी के दिन तथा पुरुषों का पितृ तर्पण उनके मृतक तिथि के अनुसार किया जाता है। आकस्मिक मृत्यु या अन्य स्थानों में मृत्यु होने पर व्यक्ति का तर्पण चतुर्दशी के दिन किए जाने की परंपरा है। पितृपक्ष के दौरान घर के आंगन में गोबर से चौकोर गोबर से लिप कर चांवल आटे से चौक बनाकर उसके ऊपर फूल व उड़द दाल छिड़क कर लोटे में जल भर रखा जाता है। माना जाता है कि तिल अर्पण करने से पितर, जौ से ऋषि और चांवल से देवता प्रसन्न होते हैं। महिलाएं तर्पण के बाद अर्पण करने वाली वस्तुओं को तोरई के पत्ते में घर के आंगन या छता पर रख देते हैं, ताकि कौवा व अन्य पक्षी पितर के रूप में आकर ग्रहण करें। पूजा अर्चना के बाद अपने परिवार के लोगों को आमंत्रित कर पितर न्योता खिलाने की परंपरा लुप्त होते जा रही है।

## संक्षिप्त खबरें

### हैती परिषद ने बेलिजौरे को नया पीएम नामित किया

**पोर्ट-औ-प्रिंस।** हैती की संक्रमणकालीन परिषद ने पूर्व खेल मंत्री फ्रिट्ज बेलिजौरे को देश का नया प्रधानमंत्री नामित किया है। स्थानीय मीडिया ने मंगलवार को यह जानकारी दी। बेलियर ने मिशेल पैट्रिक बोइसवर्ट का स्थान लिया है। बोइसवर्ट ने 25 अप्रैल से अस्थायी रूप से प्रधानमंत्री पद संभाला था। परिषद की स्थापना के बाद एरियल हेनरी के इस्तीफे की घोषणा की गई थी। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, सामूहिक हिंसा, राजनीतिक और सामाजिक उथल-पुथल से प्रभावित कैरेबियाई देश में संवैधानिक व्यवस्था को शीघ बहाल करने के लिए परिषद के सदस्य चुनाव प्रक्रिया की आवश्यकता के बिना नियुक्तियों पर मंगलवार को बहुमत से सहमत हुए।

### जॉर्जिया में विपक्षी नेता खबीशविली हिरासत में

**त्बिलिसी।** जॉर्जिया के पूर्व राष्ट्रपति मिखाइल साकाश्विली की विपक्षी पार्टी यूनाइटेड नेशनल मूवमेंट के नेता लेवान खबीशविली को मध्य त्बिलिसी में विदेशी एजेंटों पर एक विधेयक के खिलाफ प्रदर्शन में हिरासत में लिया गया है। जॉर्जियाई प्रसारक फॉर्मूला न्यूज ने बुधवार को बताया कि विरोध प्रदर्शन के दौरान विपक्षी राजनेता को पुलिस ने पीटा था। वेबसाइट और सोशल मीडिया पर साझा की गयी खबीशविली की एक तस्वीर में उनके चेहरे पर खून के निशान थे। बाद में, कथित तौर पर उनको अस्पताल ले जाया गया है। त्बिलिसी में मंगलवार को बड़े पैमाने पर एक और विरोध प्रदर्शन शुरू हो गये, जिसमें यहां की पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को केंद्रीय रुस्तवेली एवेन्यू से बाहर निकालने के लिए काली मिर्च स्प्रे, पानी की तोपों और रबर की गोलियों का इस्तेमाल किया।

### वियतनाम में विस्फोट से पांच की मौत

**हनोई।** वियतनाम के दक्षिणी प्रांत डोंग नाई में एक लकड़ी निर्माण कंपनी में बुधवार सुबह हुए एक विस्फोट में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। वियतनाम समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना प्रांत के विन्ह कुउ जिले में स्थानीय समयानुसार सुबह 08:30 बजे हुई। इसमें पांच लोगों की मौत हो गयी और 10 से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें एक ही हालत गंभीर है। फिलहाल, विस्फोट का कारण संभवतः बॉयलर की खराबी बताया जा रहा है। मामले की जांच जारी है।

### इमरान को इस्लामाबाद हाईकोर्ट से राहत

**इस्लामाबाद।** गोपनीय दस्तावेज मामले में उस समय एक नया मोड़ आ गया जब इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने कहा कि संघीय जांच एजेंसी के पास यह साबित करने के लिए कुछ भी नहीं है कि जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के पास गोपनीय राजनयिक दस्तावेज थे और उनके पास से ये गुम हो गए। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश आमिर फारूक और न्यायमूर्ति मियांगुल हसन की खंडपीठ ने मंगलवार को गोपनीय दस्तावेज रखने के मामले में 71 वर्षीय इमरान खान और उनकी सरकार में विदेश मंत्री रहे शाह महमूद कुरैशी को दोषी करार दिए जाने के खिलाफ उनकी अपीलों पर सुनवाई मंगलवार को फिर शुरू की थी।

# पन्नू को बचाने के लिए भारत पर दबाव बढ़ा रहा अमेरिका

**वाशिंगटन (वार्ता)।** अमेरिका खालिस्तानी अलगाववादी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की कथित साजिश को लेकर भारत पर दबाव बढ़ा रहा है और वाशिंगटन पोस्ट की खबर के बाद अमेरिका ने कहा है कि वह इस मामले में अपनी चिंताओं को सीधे तौर पर और उच्च स्तर पर भारत सरकार के साथ उठाता रहेगा तथा भारत की जवाबदेही की उम्मीद करता है।

अमेरिकी विदेश विभाग के प्रधान उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने नियमित ब्रीफिंग में कहा कि वह पन्नू की हत्या की कथित साजिश की जांच के संबंध में भारत सरकार से 'जवाबदेही की उम्मीद करते हैं' और अमेरिकी प्रशासन इस मामले को लेकर भारत के साथ मिलकर काम कर रहा है। वाशिंगटन पोस्ट की उस खबर में एक रॉ अधिकारी का नाम कथित तौर पर पन्नू को खत्म करने की साजिश में शामिल बताया गया था। पटेल ने कहा, इसलिए हम भारतीय जांच समिति के काम के परिणामों के आधार पर भारत सरकार से जवाबदेही की उम्मीद करते हैं और हम नियमित रूप से उनके साथ काम कर रहे हैं और अतिरिक्त अपडेट के लिए पूछताछ कर रहे हैं। हम भारत सरकार के साथ उच्च स्तर पर सीधे तौर पर अपनी चिंताओं को उठाना जारी रखेंगे। लेकिन इससे आगे मै इस पर अधिक विस्तार से कुछ नहीं कहूंगा। यह मामला न्याय विभाग देख रहा है।

**कहा, अपनी चिंताओं को भारत सरकार के समक्ष उठाते रहेंगे**

अमेरिकी विदेश विभाग की यह प्रतिक्रिया तब आई है जब भारत ने मंगलवार को वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट को निराधार एवं अनुचित बताते हुए खारिज कर दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति के मुख्यालय व्हाइट हाउस ने भी कहा कि वह मामले को 'बहुत गंभीरता' से ले रहा है और भारत सरकार के साथ सीधे अपनी चिंताओं को उठाना जारी रखेगा। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कैरिन जीन-पियरे ने इस मुद्दे पर संवाददाताओं से कहा, यह एक गंभीर मामला है, और हम इसे बहुत ही गंभीरता से ले रहे हैं। भारत सरकार हमारे साथ बहुत स्पष्ट रही है कि वे भी इसे गंभीरता से ले रहे हैं और जांच करेंगे। और हम उसके आधार पर सरकार से जवाबदेही की उम्मीद करते हैं। व्हाइट हाउस प्रवक्ता ने जोर देकर दोहराया, हम अपनी चिंताओं को उठाना जारी रखेंगे। वह रुकने वाला नहीं है. हम अपनी चिंताओं को सीधे-सीधे भारत सरकार के समक्ष उठाना जारी रखेंगे।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को एक बयान में वाशिंगटन पोस्ट की उस रिपोर्ट को 'अनुचित और अप्रमाणित आरोपों' के रूप में खारिज कर दिया, जिसमें रॉ अधिकारी विक्रम यादव को कथित तौर पर अमेरिकी धरती पर पन्नू की हत्या की असफल साजिश में शामिल बताया गया था और इस ऑपरेशन को रॉ के तत्कालीन मुखिया सामंत गोयल द्वारा मंजूरी दी गई थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता जयसवाल ने एक बयान में कहा, अमेरिकी अखबार में प्रकाशित संबंधित रिपोर्ट एक गंभीर मामले पर अनुचित और निराधार आरोप लगाती है। संगठित अपराधियों, आतंकवादियों और अन्य लोगों के नेटवर्क पर अमेरिकी सरकार द्वारा साझा की गई सुरक्षा चिंताओं को देखने के लिए भारत सरकार द्वारा गठित उच्च स्तरीय समिति की जांच चल रही है। इस पर अटकलें और गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणियाँ मददगार नहीं हैं।

# आतंकी आकाओं से जुड़ी सात संपत्तियां कुर्क

**श्रीनगर (भाषा)।** जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में पुलिस ने बुधवार को पाकिस्तान में बसे आतंकवादी सरगनाओं से जुड़ी सात संपत्तियां कुर्क कर लीं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

**संपत्तियां एक एकड़ और छह मरले की हैं**

अधिकारियों ने कहा कि अतिरिक्त सत्र न्यायालय, बारामूला द्वारा जारी कुर्की आदेश प्राप्त करने के बाद पुलिस ने पाकिस्तान स्थित आतंकी आकाओं की संपत्तियों के खिलाफ यह कार्रवाई की।

उन्होंने बताया कि सात संपत्तियां कुल मिलाकर एक एकड़ और छह मरले की है। उन्होंने कहा कि आतंकी आकाओं की पहचान सज्जाद अहमद भट, इरशाद अहमद खान, गुल्ला मोची, मोहम्मद असलम खान, मोहम्मद बेग, खालिद मीर और रफीक अहमद बकरवाल के रूप में हुई है, जो जिले के उरी इलाके के निवासी है। पुलिस ने यह कार्रवाई 2008 में बोनियार थाने में दर्ज एक मामले के संबंध में सीआरपीसी धारा 88 के तहत की है। बारामूला के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एलएसपी) आमोद नागपुरे ने कहा कि पुलिस युवाओं को गुमराह कर आतंकवाद में शामिल करने में संलिप्त लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा, 'हम पाकिस्तान से काम करने वाले आतंकी आकाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रहे है। कल, हमने अदालत के आदेश पर उरी में संपत्तियां जब्त कीं। ये संपत्तियां पाकिस्तान में स्थित सात आतंकी आकाओं की है।'

# बिश्नोई गिरोह को देश विरोधी तत्वों से तो नहीं मिली मदद

■ **मुंबई (भाषा)।**

**मुंबई पुलिस कर रही जांच**

**सलमान खान के घर के बाहर हुई गोलीबारी का मामला**

अभिनेता सलमान खान के घर के बाहर हुई गोलीबारी की घटना की जांच कर रही मुंबई पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या लॉरेंस बिश्नोई गिरोह को भारत के बाहर सक्रिय देश विरोधी तत्वों से धन अथवा हथियार के रूप में किसी प्रकार की मदद तो नही मिली थी।

मुंबई के बांद्रा इलाके में गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर 14 अप्रैल की सुबह दो लोगों ने गोलियां चलाई थी। इसी अपार्टमेंट में सलमान खान रहते है। घटना के बाद पुलिस ने दोनों शूटर विक्की गुप्ता (24) और सागर पाल (21) को गुजरात से गिरफ्तार किया था और हथियार आपूर्तिकर्ताओं सोनू कुमार चंदर बिश्नोई (37) और अनुज थापन (32) को पंजाब से गिरफ्तार किया था।

मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने गुप्ता, पाल और थापन को सोमवार को अदालत में पेश किया जहां से उन्हें आठ मई तक के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। गुजरात की साबरमती जेल में बंद गिरोहस्टर लॉरेंस बिश्नोई और उसका छोटा भाई अनमोल बिश्नोई इस मामले में आरोपी है। माना जा रहा है कि अनमोल फिलहाल अमेरिका अथवा कनाडा में है। अनमोल ने एक फेसबुक पोस्ट के माध्यम से गोलीबारी प्रकरण की जिम्मेदारी ली थी। हालांकि पुलिस का कहना है कि उसका 'आईपी एड्रेस' पुर्तगाल का मिला है।

पुलिस ने अपनी हिरासत याचिका में कहा कि भले ही लॉरेंस बिश्नोई जेल में है लेकिन उसका आपराधिक नेटवर्क अतंरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय है और वह इस बात की जांच कर रही है कि क्या बिश्नोई गिरोह को भारत के बाहर देश विरोधी तत्वों से हथियार और धन के रूप में किसी प्रकार की मदद मिली है।

एक अधिकारी ने कहा कि पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि इस मामले में कथित शूटरों को हथियार कहां से मुहैया कराए गए थे। अधिकारी के अनुसार, जांचकर्ताओं का मानना है कि बिश्नोई गिरोह देश की वित्तीय राजधानी मुंबई में आतंक पैदा करना चाहता है।

## अटारी ड्रग्स मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मंगलवार को अटारी ड्रग्स जब्ती मामले में एक और मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिससे गिरफ्तारियों की संख्या अब आठ हो गई है। आरोपी अतहर सईद उर्फ चाचा ने सरगना शाहिद अहमद के निर्देश पर ड्रग्स की आय को संभाला था।

एनआईए की टीमों ने दिल्ली के दरियागंज इलाके में अतहर सईद के परिसर की तलाशी ली और आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। बड़े पैमाने पर ड्रग्स रैकेट के पीछे की पूरी साजिश का खुलासा करने के लिए आतंकवाद रोधी एजेंसी दस्तावेजों की जांच कर रही है। एनआईए की जांच से पता चला है कि अतहर ने भारत से अफगानिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात में नशीले पदार्थों की बिक्री से अर्जित धन के हस्तांतरण के लिए हवाला ऑपरेटरो का नेटवर्क बनाने बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस तरह वह ड्रग्स की आय को विदेश स्थित मुख्य आरोपी व्यक्तियों तक पहुंचा रहा था। उन्होंने मुख्य आरोपी को देश से भागने में मदद करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

यह मामला लगभग 102.784 किलोग्राम हेरोइन (मादक पदार्थ) की बरामदगी और जब्ती से संबंधित है। अप्रैल 2022 में दो किस्तों में 700 करोड़ रुपए की ड्रग्स आईसीपी अटारी, अमृतसर के माध्यम से अफगानिस्तान से भारत आए थे।

# पाक में हिंदू बेटियों का कराया जा रहा जबरन धर्मांतरण

**इस्लामाबाद (आईएएनएस)।** पाकिस्तान के सीनेटर दानेश कुमार ने पाकिस्तान के सिंध प्रांत में हिंदू लड़कियों के जबरन अपहरण और धर्मांतरण की ओर लोगों का ध्यान खींचा है।

दानेश ने सीनेट सत्र को संबोधित करते हुए कहा, हिंदुओं की बेटियां कोई लूट का माल नहीं हैं कि कोई जबरन उनका धर्म बदलवा दें। सिंध में हिंदू लड़कियों को जबरन इस्लाम में धर्मांतरण कराया जा रहा है। मासूम पूजा कुमारी का अपहरण हुए दो साल हो गए। सरकार इन प्रभावशाली लोगों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करती। उन्होंने कहा कि हिंदू लड़कियों का जबरन अपहरण और धर्मांतरण प्रभावशाली लोगों और धार्मिक समूहों द्वारा किया जा रहा है, जिन्हें राजनीतिक दलों का समर्थन हासिल है। उनका अपहरण कर जबरन इस्लाम कबूल करवाया जाता है और उनकी शादी मुस्लिम पुरुषों से करा दी जाती है। दानेश ने कहा कि बहाना बनाया जा रहा है कि नाबालिग हिंदू लड़कियां अपनी मर्जी से धर्म परिवर्तन कर रही हैं। उन्होंने कहा, प्रभावशाली धार्मिक समूहों को लगता है कि धर्मांतरण से वो ये साबित करना चाहते हैं कि इस्लाम के प्रति उनका पक्का समर्पण है, जबकि इस्लाम की शिक्षा इसकी इजाजत नहीं देती। दानेश ने एक ऐसा मुद्दा उठाया है जो वर्षों से पाकिस्तान में चल रहा है। कई वैश्विक निकायों ने धार्मिक अल्पसंख्यकों की चल रही पीड़ा पर गंभीर आपत्तियां और चिंताएं जताई हैं। अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय की लड़कियों का जबरन अपहरण, धर्मांतरण और मुस्लिम पुरुषों से शादी करने के अनगिनत मामले सामने आए हैं।

**पाकिस्तान के सीनेटर दानेश कुमार ने सरकार पर बोला हमला**

**कहा, हिंदुओं की बेटियां कोई लूट का माल नहीं हैं कि कोई जबरन उनका धर्म बदलवा दे**

संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने हाल ही में पाकिस्तान में अल्पसंख्यक समुदायों की युवा महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा में कमी को 'खतरनाक स्थिति' बताते हुए पाकिस्तान की आलोचना की थी। संयुक्त राष्ट्र ने कहा था, ईसाई और हिंदू लड़कियों को जबरन धर्म परिवर्तन, अपहरण, तस्करी, बाल विवाह, जबरन शादी, घरेलू दास्तां और यौन हिंसा का शिकार होना पड़ता है। कमजोर और कम उम्र की लड़कियों की सुरक्षा में सरकार और कानूनी एजेंसियों की विफलता पर संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों ने कहा है कि जबरन विवाह को धार्मिक या सांस्कृतिक आधार पर उचित नहीं ठहराया जा सकता।

## अमेरिका : रूसी यूरेनियम के आयात पर प्रतिबंध लगाने वाला बिल पारित

**वाशिंगटन (वार्ता)।** अमेरिकी सीनेट ने रूसी यूरेनियम के अमेरिकी आयात पर प्रतिबंध लगाने वाले विधेयक को पारित कर दिया है। सीनेट ने मंगलवार रात सर्वसम्मति से यह विधेयक पारित कर दिया और इसे मंजूरी के लिए राष्ट्रपति जो बाइडन को भेज दिया।

यह विधेयक विशेष रूप से रूस में या रूसी इकाई द्वारा उत्पादित गैर-विकिरणित कम-संवर्धित यूरेनियम के अमेरिकी आयात पर प्रतिबंध लगाता है। विधेयक अप्रकाशित निम्न के अमेरिकी आयात पर भी प्रतिबंध लगाता है। हालांकि, विधेयक में कहा गया है कि अमेरिकी ऊर्जा विभाग इस प्रतिबंध से छूट जारी कर सकता है यदि यह निर्धारित करता है कि अमेरिकी परमाणु रिएक्टर या परमाणु ऊर्जा कंपनी के निरंतर संचालन को बनाए रखने के लिए कम समृद्ध यूरेनियम का कोई वैकल्पिक व्यवहार्य स्रोत उपलब्ध नहीं है, या यदि यह यह भी निर्धारित करता है कि यूरेनियम का अमेरिकी आयात राष्ट्रीय हित में है। ऊर्जा विभाग द्वारा जारी कोई भी छूट एक जनवरी, 2028 तक समाप्त होनी चाहिए, जबकि प्रतिबंध 31 दिसम्बर, 2040 को समाप्त होगा।

# तृणमूल को स्कूल भर्ती घोटाले की जानकारी पहले से थी : कुणाल

**कोलकाता (भाषा)।** तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के वरिष्ठ नेता कुणाल घोष ने बुधवार को दावा किया कि पार्टी को 2021 के विधानसभा चुनाव से पहले ही स्कूल भर्ती 'घोटाले' के बारे में पता था। घोष ने यह बयान उन्हें पार्टी के प्रदेश महासचिव पद से हटाये जाने के कुछ घंटे बाद दिया।

तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के करीबी माने जाने वाले घोष का नुकसान पहुंचाने वाला यह बयान मौजूदा लोकसभा चुनावों के बीच आया है, क्योंकि चुनाव में एसएससी घोटाला एक बड़ा मुद्दा बन गया है। घोष को भारतीय जनता पार्टी के एक लोकसभा उम्मीदवार के साथ मंच साझा करने और उनकी प्रशंसा करने के कुछ घंटे बाद पद से हटा दिया गया। घोष ने बांग्ला समाचार चैनल 'एबीपी आनंद' के साथ एक साक्षात्कार में कहा, पार्टी इस तथ्य से अच्छी तरह से वाकिफ थी कि स्कूल शिक्षा विभाग में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और नौकरियों के बदले जबरन वसूली हो रही है। पार्टी को 2021 के विधानसभा चुनावों से पहले ही इसकी जानकारी थी। घोष अगली पीढी के नेताओं के लिए अधिक तवज्जो की मांग कर रहे थे और उनकी टीएमसी में पुराने नेताओं के साथ खींचतान चल रही थी।

■ **घोष ने यह बयान पार्टी के प्रदेश महासचिव पद से हटाए जाने के कुछ घंटे बाद दिया**

उन्होंने कहा कि 'व्यापक भ्रष्टाचार के बारे में जानकारी के कारण पार्थ चटर्जी को 2021 में पार्टी के लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटने के बाद शिक्षा मंत्रालय से उद्योग विभाग में स्थानांतरित कर दिया गया था।' घोष की यह टिप्पणी कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा पश्चिम बंगाल सरकार संचालित और सहायता प्राप्त विद्यालयों में राज्य-स्तरीय चयन परीक्षा-2016 (एसएलएसटी) की भर्ती प्रक्रिया को 'अमान्य' घोषित करने के एक सप्ताह बाद आई है। अदालत ने उसके माध्यम से की गई सभी नियुक्तियों को रद्द करने का आदेश दिया था। अदालत के आदेश के बाद करीब 26,000 लोगों की नौकरियां चली गईं। टीएमसी नेतृत्व ने कहा था कि 2022 में चटर्जी की गिरफ्तारी होने तक पार्टी को घोटाले की जानकारी नहीं थी। टीएमसी नेता पार्थ चटर्जी को एसएससी घोटाले में उनकी कथित संलिप्तता के लिए जुलाई 2022 में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद चटर्जी को पार्टी से बाहर कर दिया गया था। उन्हें राज्य मंत्रिमंडल से भी हटा दिया गया था।

# गाजा युद्धविराम समझौते को आगे बढ़वाने ब्लिंकन पहुंचे इस्राइल

**तेल अवीव (आईएएनएस)।** अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन इस्राइल पहुंचे। यहां पर वह गाजा युद्धविराम समझौते को आगे बढ़वाने के लिए बुधवार को देश के राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात करेंगे।

**हमास और इस्राइल के बीच युद्ध छिड़ने के बाद से उनकी यह सातवीं यात्रा है**

सात अक्टूबर 2023 को हमास और इस्राइल के बीच युद्ध छिड़ने के बाद से एंटनी ब्लिंकन की यह सातवीं यात्रा है। इस्राइल के प्रधानमंत्री के कार्यालय ने मंगलवार रात एक बयान में कहा कि इसहाक हर्जोग के साथ बैठक तेल अवीव में होगी, जबकि ब्लिंकन नेतन्याहू के साथ यरूशलम में उनके कार्यालय में बातचीत करेंगे। वह इस्राइल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार तजाची हानेग्बी से भी मुलाकात करेंगे। ब्लिंकन बंधकों के परिवारों से भी मुलाकात करेंगे। शीर्ष अमेरिकी राजनयिक सोमवार को मध्य पूर्व पहुंचे थे और क्षेत्र में शांति के संबंध में जॉर्डन और सऊदी अधिकारियों के साथ बातचीत की थी। इस्राइल ने इस्राइली जेलों में बंद लगभग 600 फिलिस्तीनी कैदियों के बदले में हमास की हिरासत में अपने 33 बंधकों (महिलाओं, बुजुर्गों और बीमारियों से पीड़ित) को रिहा करने के मध्यस्थों के सुझाव पर सहमति व्यक्त की है। जेलों में बंद इन फिलिस्तीनियों में से कई हत्या के मामलों में आरोपी हैं। ब्लिंकन ने पहले घोषणा की थी कि वह मध्य पूर्व की अपनी वर्तमान यात्रा के दौरान इस्राइल नहीं पहुंचेंगे, लेकिन इस्राइल के प्रधानमंत्री कार्यालय के सूत्रों ने आईएएनएस को बताया कि हमास और इस्राइल के बीच काहिरा में होने वाली अप्रत्यक्ष मध्यस्थता वार्ता में कुछ अड़चनें थीं।

# श्राबणी बासु को लंदन विवि ने दी 'डॉक्टरेट' की मानद उपाधि

**लंदन (भाषा)।** कोलकाता में जन्मी इतिहासकार-लेखिका श्राबणी बासु को साहित्य तथा साझा ब्रिटिश भारतीय इतिहास के अध्ययन के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए लंदन विश्वविद्यालय ने 'डॉक्टरेट' की मानद उपाधि प्रदान की है।

सर्वाधिक बिकने वाली जीवनी संबंधी पुस्तकों 'स्पाई प्रिंसेज : द लाईफ ऑफ नूर इनायत खान' और 'विक्टोरिया एंड अब्दुलः द ट्रू स्टोरी ऑफ क्वीन्स क्लोजेस्ट कॉन्फिडेंट' की लेखिका बासु ने मंगलवार को एक दीक्षांत समारोह में 'डॉक्टर ऑफ लिटरेचर' की अपनी मानद उपाधि ग्रहण की। 'विक्टोरिया एंड अब्दुलः द ट्रू स्टोरी ऑफ क्वीन्स क्लोजेस्ट कॉन्फिडेंट' पर एक फिल्म भी बनी है जिसे ऑस्कर के लिए नामित किया गया था और उसमें डेम जूडी डेंच ने अभिनय किया था। ब्रिटेन के किंग चार्ल्स तृतीय की बहन प्रिंसेज रॉयल-- प्रिंसेज एन्नी ने विश्वविद्यालय की कुलाधिपति के तौर पर बासु को यह डिग्री प्रदान की।

बासु ने इस 'विनम्रतापूर्ण एवं गौरवपूर्ण क्षण' का उल्लेख करते हुए अपने संबोधन में कहा, '2009 में यह लंदन विश्वविद्यालय ही था जिसने हमें गॉर्डन स्क्वायर पर द्वितीय विश्वयुद्ध की नायिका नूर इनायत खान का स्मारक बनाने की अनुमति दी थी।'

**साहित्य तथा साझा ब्रिटिश भारतीय इतिहास के अध्ययन के क्षेत्र में उनके योगदान को सराहा**

# फिलिस्तीन समर्थकों से खाली कराया कोलंबिया विवि

**न्यूयॉर्क (एपी)।** अमेरिका के कोलंबिया विश्वविद्यालय में फिलिस्तीन समर्थकों का प्रदर्शन नाटकीय तरीके से समाप्त हो गया। पुलिस दंगा रोधी उपकरणों के साथ गत रात उस इमारत में दाखिल हुई जिसमें प्रदर्शनकारी जमे थे और दर्जनों लोगों को गिरफ्तार कर लिया। वहीं, दूसरी ओर लॉस एंजिल्स स्थित कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय (यूसीएलए) में मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात प्रतिद्वंद्वी समूहों में झड़प हो गई।

एक प्रवक्ता ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से मदद की गुजारिश किए जाने के बाद न्यूयॉर्क शहर के अधिकारियों ने मंगलवार देर रात कोलंबिया विश्वविद्यालय परिसर में प्रवेश किया। प्रवक्ता ने बताया कि मैदान पर प्रदर्शनकारियों द्वारा लगाए गए तंबुओं को हटा दिया गया जबकि हैमिल्टन हॉल को खाली कराने के लिए अधिकारियों को इमारत की दूसरी मंजिल में सीढ़ी के सहारे खिड़की के रास्ते प्रवेश करना पड़ा। प्रदर्शनकारियों ने आइवी लीग विश्वविद्यालय से इस्राइल या गाजा में युद्ध का समर्थन करने वाली कंपनियों के साथ व्यापार बंद करने का आह्वान करते हुए लगभग 20 घंटे पहले हॉल पर कब्जा कर लिया था। विश्वविद्यालय ने बताया, जब संस्थान को रात को जानकारी मिली कि हैमिल्टन हॉल पर कब्जा कर लिया गया है, तोड़फोड़ की गई है और उसके रास्ते को अवरुद्ध कर दिया गया है, तो हमारे पास कोई विकल्प नहीं बचा।

**कैलिफोर्निया विवि में फिलिस्तीन और इस्राइल समर्थकों के बीच हिंसक झड़प**

विश्वविद्यालय ने कहा, न्यूयॉर्क पुलिस विभाग से संपर्क करने का मकसद प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई था न कि उनके द्वारा की जा रही मांग को दबाना। हमने स्पष्ट कर दिया कि विश्वविद्यालय परिसर की गतिविधियों को प्रदर्शनकारी अनंतकाल तक बाधित नहीं कर सकते और वे नियम कायदों का उल्लंघन कर रहे थे। पुलिस प्रवक्ता कार्लोस निस ने कहा कि उन्हें किसी के घायल होने की तत्काल कोई सूचना नहीं मिली है। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनकारियों को तब गिरफ्तार किया गया जब उन्होंने सोमवार को प्रदर्शन स्थल खाली करने की समय सीमा को मानने से इनकार कर दिया। निस ने बताया कि अन्य विश्वविद्यालयों ने कोलंबिया से प्रेरित प्रदर्शनों को समाप्त करने के प्रयास तेज कर दिए। अकाउंट के प्रथम वर्ष के छात्र फैबियन लूगो ने कहा कि वह विरोध प्रदर्शन में शामिल नहीं थे लेकिन वह परिसर में पुलिस को बुलाने के विश्वविद्यालय के फैसले का विरोध करते है। इस बीच, फिलिस्तीन समर्थक और इस्राइल समर्थक प्रदर्शनकारियों के बीच रात भर यूसीएलए परिसर में हिसक झड़प हुई और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए दंगा रोधी साजो-सामान के साथ पुलिस पहुंची लेकिन तुरंत हस्तक्षेप नहीं किया। लोगों ने एक दूसरे पर कुर्सियां फेंकी और एक-दूसरे पर लात-घूंसे बरसाये। लाठियों से लैस कुछ लोग दूसरों को पीटते नजर आए। दंगा रोधी पुलिस के पहुंचने से पहले, एक समूह ने एक व्यक्ति को जमीन पर लिटा कर लात घूंसे से वार किया और बाद में अन्य लोगों ने उसे बचाया। यूसीएलए की एक वरिष्ठ अधिकारी मैरी ओसाको ने कैपस अखबार डेली ब्रुइन को बताया, आज रात परिसर में हिसा की भयावह घटनाएं हुईं और हमने तुरंत मदद के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसी को बुलाया। पुलिस ने पिछले दो हफ्तों में पूरे अमेरिका में अन्य परिसरों में भी कार्रवाई की है और करीब 1,000 से अधिक प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया है।

## चीन : राजमार्ग हादसे में 24 लोगों की मौत

**बीजिंग (एपी)।** दक्षिणी चीन में बुधवार को राजमार्ग का एक हिस्सा ढह जाने से कम से कम 24 लोगों की मौत हो गई। चीन के सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी।

राजमार्ग का 17.9 मीटर (58.7 फीट) हिस्सा ढह जाने से 18 कारें ढलान से नीचे गिर गईं। ग्वांगदोंग प्रांत के मीझोऊ शहर के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हादसा आधी रात के बाद करीब 2 बजे हुआ। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक बुधवार दोपहर तक मृतकों की संख्या 24 हो गई है।

बीते दो हफ्तो में ग्वांगदोंग प्रांत के हिस्सों में भारी बारिश और ओलावृष्टि हुई, जिससे बाढ़ जैसे पैदा हालात हो गए है। मीझोऊ के कुछ गांवों में अप्रैल में बाढ आई और हाल के दिनों में शहर में भारी बारिश हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों ने स्थानीय मीडिया को बताया कि उन्होंने सड़क का हिस्सा ढहने के तुरंत पहले ही वहां से गुजरते समय तेज आवाज सुनी और अपने पीछे कई मीटर चौड़ा गड्ढा बनते देखा।

## खबर संक्षेप

### यस बैंक को मिला जीएसटी नोटिस, 6.87 लाख जुर्माना

**नई दिल्ली।** यस बैंक को दो जीएसटी मांग नोटिस मिले हैं, जिनमें 6.87 लाख रुपये से अधिक का जुर्माना लगाया गया है। मणिपुर और पंजाब जीएसटी विभागों ने क्रमशः 5.05 लाख रुपये और 1.81 लाख रुपये से अधिक का जुर्माना लगाया है। बैंक को मणिपुर और पंजाब के जीएसटी विभाग से 30 अप्रैल, 2024 को दो नोटिस मिले।

### टीवीएस मोटर की अप्रैल में बिक्री 25 प्रतिशत बढ़ी

**नई दिल्ली।** टीवीएस मोटर कंपनी की कुल वाहन बिक्री अप्रैल में 25 प्रतिशत बढ़कर 3,83,615 इकाई रही। कंपनी ने पिछले साल इसी महीने 3,06,224 वाहनों की बिक्री की थी। टीवीएस मोटर कंपनी ने बयान में कहा कि अप्रैल में कंपनी की दोपहिया वाहन की कुल बिक्री 3,74,592 इकाई रही, जो अप्रैल 2023 में 2,94,786 इकाई थी।

### हुंडई की बिक्री अप्रैल में 9.5 फीसदी बढ़ 63,701 इकाई

**नई दिल्ली।** वाहन विनिर्माता कंपनी हुंडई मोटर इंडिया की थोक बिक्री अप्रैल में सालाना आधार पर 9.5 प्रतिशत बढ़कर 63,701 इकाई हो गई। वाहन विनिर्माता ने अप्रैल 2023 में 58,201 इकाइयों की बिक्री की थी। घरेलू थोक बिक्री अप्रैल में एक प्रतिशत बढ़कर 50,201 इकाई हो गई, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 49,701 इकाई थी।

### टाटा मोटर्स की बिक्री में 11.5 फीसदी का इजाफा

**नई दिल्ली।** टाटा मोटर्स की अप्रैल में कुल थोक बिक्री सालाना आधार पर 11.5 प्रतिशत बढ़कर 77,521 इकाई हो गई। अप्रैल 2023 में यह 69,599 इकाई थी। मोटर वाहन विनिर्माता ने एक बयान में कहा, कंपनी की कुल घरेलू आपूर्ति पिछले महीने 12 प्रतिशत बढ़कर 76,399 इकाई रही जो अप्रैल 2023 में यह 68,514 इकाई थी।

### आधार हाउसिंग फाइनेंस का आईपीओ आठ मई को खुलेगा

**नई दिल्ली।** प्रमुख निजी इक्विटी कंपनी ब्लैकस्टोन समर्थित आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड का 3,000 करोड़ रुपये का आईपीओ आठ मई को खुलकर 10 मई को बंद होगा। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास जमा कराए गए आईपीओ दस्तावेजों के अनुसार, एंकर (बड़े) निवेशक सात मई को शेयरों के लिए बोली लगा सकेंगे।

### एडलवाइस की अनुषंगी को कर मांग नोटिस

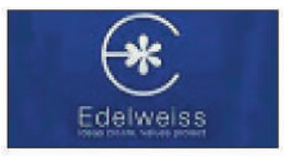


**नई दिल्ली।** वित्तीय सेवा कंपनी एडलवाइस फाइनेंशियल सर्विसेज ने बुधवार को कहा कि उसकी अनुषंगी ईकैप इक्विटीज को आकलन वर्ष 2022-23 के लिए 28.78 करोड़ रुपये की कर मांग को लेकर नोटिस मिला है। एडलवाइस ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि कंपनी की अनुषंगी ईकैप इक्विटीज लि. को आकलन वर्ष 2022-23 के लिए आयकर कानून, 1961 की धारा 143 (3) के तहत 30 अप्रैल, 2024 को ब्याज समेत 28.78 करोड़ रुपये की कर मांग को लेकर नोटिस और आकलन आदेश मिला है।

# आखिरकार गोदरेज ग्रुप का बंटवारा हुआ फाइनल, जानिए किसे मिलेगी कौन सी कंपनी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश के सबसे पुराने कारोबारी समूहों में गिने जाने वाले गोदरेज ग्रुप का बंटवारा अब फाइनल हो चुका है। साल 1897 में अर्दशीर गोदरेज ने इस ग्रुप की नींव रखी थी। गोदरेज ग्रुप की मार्केट वैल्यू 4.1 अरब डॉलर आंकी गई है।

- गोदरेज ग्रुप की मार्केट वैल्यू 4.1 अरब डॉलर आंकी गई

अब गोदरेज परिवार ने ग्रुप के बंटवारे पर मुहर लगा दी है। ग्रुप की कंपनियों को आदी गोदरेज, नादिर गोदरेज, जमशेद गोदरेज और स्मिता गोदरेज के बीच बांट दिया जाएगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, आदी गोदरेज और नादिर गोदरेज को इस बंटवारे के तहत लिस्टेड कंपनियों की मेजॉरिटी हिस्सेदारी मिलेगी। उधर, गोदरेज एंड बॉयस का कंट्रोल जमशेद गोदरेज और स्मिता गोदरेज को मिल सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, इस बंटवारे को फाइनल कर जल्द ही इसकी सार्वजनिक घोषणा कर दी जाएगी।

**साल 1897 में अर्दशीर गोदरेज ने इस ग्रुप की नींव रखी थी**

### कई सेक्टर में फैला हुआ है गोदरेज ग्रुप का कारोबार

गोदरेज ग्रुप का कारोबार इंजीनियरिंग, होम एप्लायंस, सिक्योरिटी, एग्रीकल्चर, रियल एस्टेट और कंज्यूमर प्रोडक्ट्स सेक्टर में फैला हुआ है। साल 1897 में बनी गोदरेज इंडस्ट्रीज लिमिटेड की गोदरेज एग्रोवेट में 64.89 फीसदी, गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स में 23.74 फीसदी और गोदरेज प्रॉपर्टीज में 47.34 फीसदी हिस्सेदारी है। गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ग्रुप की सबसे बड़ी कंपनी है। 30 अप्रैल को इसका मार्केट कैप 1.26 लाख करोड़ रुपए था।

### गोदरेज ग्रुप ने साध ली है चुप्पी

इस बंटवारे में रॉयल्टी, ब्रांड यूज और जमीन के इस्तेमाल को लेकर भी बड़े फैसले लिए जा सकते हैं। ऐसा माना जा रहा है कि ग्रुप की अनलिस्टेड कंपनियां और लैंड बैंक डेवलपमेंट जमशेद गोदरेज और स्मिता गोदरेज को दिया जा सकता है। फिलहाल गोदरेज ग्रुप ने इस बारे में चुप्पी साध ली है।

### जमशेद और स्मिता के हिस्से में जा सकती है जीएंडबी

गोदरेज ग्रुप की 5 कंपनियां लिस्टेड हैं। इनमें गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड, गोदरेज प्रॉपर्टीज, गोदरेज इंडस्ट्रीज, गोदरेज एग्रोवेट और एस्टेक लाइफसाइंसेज शामिल हैं। ये कंपनियां आदी गोदरेज और नादिर गोदरेज के हिस्से में जा सकती हैं। गोदरेज एंड बॉयस एक प्राइवेट कंपनी है। कंपनी की वेबसाइट के अनुसार, गोदरेज ग्रुप की लगभग 23 फीसदी हिस्सेदारी ट्रस्ट के पास है, जो पर्यावरण, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में इस पैसे को खर्च करता है।

## सालाना आधार पर 12.4 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई

# जीएसटी संग्रह दो लाख करोड़ रुपए के पार अप्रैल में रिकॉर्ड 2.10 लाख करोड़ रुपए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

*देश का सकल जीएसटी संग्रह अप्रैल में सालाना आधार पर 12.4 प्रतिशत बढ़कर 2.10 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। घरेलू लेनदेन तथा आयात में मजबूत वृद्धि से यह संग्रह बढ़ा है। यह पहला मौका है जब किसी महीने में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) का संग्रह दो लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है।*

वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'सकल जीएसटी संग्रह अप्रैल 2024 में 2.10 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। यह सालाना आधार पर 12.4 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है, जो घरेलू लेनदेन (13.4 प्रतिशत वृद्धि) और आयात (8.3 प्रतिशत वृद्धि) में मजबूत वृद्धि के दम पर संभव हो पाया।'

### एक साल पहले 1.87 लाख करोड़ रहा

मूल रूप से बेची गई वस्तुओं और दी गई सेवाओं पर लगने वाला कर जीएसटी मार्च के महीने में 1.78 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा जबकि एक साल पहले अप्रैल 2023 में यह 1.87 लाख करोड़ रुपये था।

*उठाए कदमों से जीएसटी संग्रह में वृद्धि :* कर विशेषज्ञों का कहना है कि अप्रैल में मजबूत जीएसटी राजस्व एक बढ़ती अर्थव्यवस्था, कंपनियों के स्तर पर अनुपालन पर जोर देने और समय पर लेखा परीक्षा एवं जांच के अलावा विभाग के स्तर पर उठाए गए कदमों को दर्शाता है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक, पिछले महीने केंद्रीय जीएसटी संग्रह 43,846 करोड़ रुपये और राज्य जीएसटी संग्रह 53,538 करोड़ रुपये रहा।

### वित्त मंत्री ने प्रयासों की सराहना की

सीतारमण ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर इस उपलब्धि को हासिल करने में राजस्व विभाग के केंद्रीय व राज्य अधिकारियों तथा केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के 'ईमानदार और सहयोगात्मक प्रयासों' की सराहना की।

- घरेलू लेनदेन तथा आयात में मजबूत वृद्धि से संग्रह बढ़ा
- यह पहला मौका जब जीएसटी संग्रह दो लाख करोड़ से अधिक
- जीएसटी मार्च के महीने में 1.78 लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा

### जीएसटी संग्रह में महाराष्ट्र सबसे आगे

राज्यों के कुल जीएसटी संग्रह के मामले में महाराष्ट्र 37,671 करोड़ रुपये के संग्रह के साथ सबसे आगे है। महाराष्ट्र में जीएसटी संग्रह अप्रैल में 13 प्रतिशत बढ़ा है। अप्रैल में 15,978 करोड़ रुपये के संग्रह के साथ कर्नाटक जीएसटी राजस्व में दूसरा बड़ा योगदानकर्ता है जबकि गुजरात ने 13,301 करोड़ रुपये के राजस्व के साथ 13 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की।

### जीएसटी संग्रह में उत्तर प्रदेश चौथे स्थान पर

उत्तर प्रदेश ने अप्रैल में कर राजस्व में 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के मासिक संग्रह में तमिलनाडु को पीछे छोड़ दिया है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, पिछले महीने उत्तर प्रदेश में जीएसटी संग्रह 19 प्रतिशत बढ़कर 12,290 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो महाराष्ट्र, कर्नाटक और गुजरात के बाद सबसे अधिक है।

### तमिलनाडु खिसक कर पांचवें स्थान पर

इसके साथ ही उत्तर प्रदेश जीएसटी संग्रह के मामले में चौथे स्थान पर पहुंच गया। वहीं तमिलनाडु 12,210 करोड़ रुपये के कर संग्रह के साथ चौथे से पांचवें स्थान पर खिसक गया। तमिलनाडु का जीएसटी संग्रह अप्रैल में छह प्रतिशत बढ़ा है। परंपरागत रूप से तमिलनाडु में जीएसटी संग्रह सर्वाधिक जनसंख्या वाले राज्य उत्तर प्रदेश की तुलना में अधिक रहता रहा है।

## गुणवत्ता की चिंताओं से प्रभावित हो सकता है मसाला निर्यात

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत को अपने मसाला निर्यात के संबंध में गुणवत्ता संबंधी मसलों को तत्काल और पारदर्शिता के साथ हल करने की जरूरत है क्योंकि मौजूदा गुणवत्ता संबंधी चिंताएं देश के मसाला निर्यात के आधे से अधिक हिस्से को खतरे में डाल सकती हैं। बुधवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव ने कहा कि हर दिन नए देश भारतीय मसालों की गुणवत्ता के बारे में चिंता जता रहे हैं। इसने कहा कि इस मुद्दे पर तत्काल ध्यान देने और भारत के प्रसिद्ध मसाला उद्यान की प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए कार्रवाई की आवश्यकता है।

- जीटीआरआई ने गुणवत्ता पर जताई चिंता

'महत्वपूर्ण बाजारों में 70 करोड़ डॉलर का निर्यात दांव पर लगा है। कई देशों में नियामकीय कार्रवाई से संभावित रूप से मसाला निर्यात में आधे का नुकसान हो सकता है।'इसने कहा कि भारत को गुणवत्ता संबंधी मुद्दों को जल्द और पारदर्शिता के साथ हल करने की आवश्यकता है।

### यूरोपीय संघ कदम उठाते हैं तो 2.5 अरब डॉलर का होगा नुकसान

यूरोपीय संघ यदि ऐसा ही कदम उठाता है तो इससे अतिरिक्त 2.5 अरब डॉलर का असर हो सकता है, जिससे भारत के वैश्विक मसाला निर्यात का कुल संभावित नुकसान 58.8 प्रतिशत हो सकता है। श्रीवास्तव ने कहा कि भारत ने वित्त वर्ष 2023-24 में इन देशों को लगभग 69.25 करोड़ डॉलर मूल्य के मसालों का निर्यात किया है, इसलिए सौदा बहुत ऊंचा है।

## घरेलू बाजार में यात्री वाहनों की बिक्री रफ्तार अप्रैल में पड़ी सुस्त

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश में यात्री वाहनों की बिक्री नए वित्त वर्ष (2024-25) के पहले महीने में स्थिर रही। अप्रैल में वाहन की 3.38 लाख इकाइयां बेची गईं। बिक्री पर उच्च तुलनात्मक आधार प्रभाव और आम चुनावों के कारण कम मांग का असर हुआ।

यात्री वाहनों की थोक बिक्री अप्रैल में 1.77 प्रतिशत वृद्धि के साथ 3,38,341 इकाई रही, जो पिछले साल इसी महीने में 3,32,468 इकाई थी। इस दौरान मारुति सुजुकी इंडिया, हुंडई और टाटा मोटर्स की घरेलू थोक बिक्री में मामूली वृद्धि हुई है। मारुति सुजुकी इंडिया के वरिष्ठ कार्यपालक अधिकारी (विपणन एवं बिक्री) पार्थो बनर्जी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये कहा कि अप्रैल में सपाट वृद्धि पिछले साल उद्योग के उच्च तुलनात्मक आधार के कारण है। इसके अलावा चल रहे आम चुनावों का प्रभाव भी है। बैनर्जी ने कहा, 'हमने इस साल बहुत ऊंचे आधार पर शुरुआत की है...अभी देश में चुनाव चल रहे हैं और आदर्श आचार संहिता लागू है...चुनाव के दौरान बाजार थोड़ा सुस्त है। एक बार चुनाव ख़त्म हो जाएं, तो मुझे लगता है कि हम एक अलग बाजार देखेंगे।'

मारुति सुजुकी की कुल घरेलू यात्री वाहन बिक्री अप्रैल में 1,37,952 इकाई रही, जो पिछले साल इसी महीने में 1,37,320 इकाई थी। हुंडई मोटर इंडिया की घरेलू थोक बिक्री अप्रैल में एक प्रतिशत बढ़कर 50,201 इकाई रही, जो पिछले साल इसी माह 49,701 इकाई थी।

- अप्रैल में वाहन की 3.38 लाख इकाइयां बेची गई
- आम चुनाव के कारण कम मांग का असर हुआ

### एनफील्ड ने नौ फीसदी की बढ़त दर्ज की

मोटरसाइकिल कंपनी रॉयल एनफील्ड की घरेलू बिक्री अप्रैल में नौ प्रतिशत बढ़कर 75,038 इकाई हो गई, जो पिछले साल इसी महीने में 68,881 इकाई थी।

## देश में बिजली की खपत अप्रैल में 11 प्रतिशत बढ़ी

**नई दिल्ली।** देश में बिजली की खपत अप्रैल में सालाना आधार पर करीब 11 प्रतिशत बढ़कर 144.25 अरब यूनिट रही है। मुख्य रूप से तापमान बढ़ने से बिजली खपत बढ़ी है। सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। अप्रैल, 2023 में बिजली की खपत 130.08 अरब यूनिट थी। एक दिन में बिजली की अधिकतम मांग भी अप्रैल, 2024 में बढ़कर 224.18 गीगावाट (एक गीगावाट बराबर 1,000 मेगावाट) हो गई, जबकि अप्रैल, 2023 में यह 215.88 गीगावाट थी। बिजली मंत्रालय ने गर्मियों के दौरान बिजली की अधिकतम मांग लगभग 260 गीगावाट रहने का अनुमान लगाया है। विशेषज्ञों ने कहा कि बिजली की खपत के साथ-साथ मांग में वृद्धि मुख्य रूप से तापमान बढ़ने और इस्पात तथा बिजली जैसे क्षेत्रों में औद्योगिक गतिविधियों में तेजी के कारण हुई।

## विदेशी निवेशकों ने अप्रैल में निकाले 8,700 करोड़ रुपए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लगातार दो माह तक खरीदार रहने के बाद अप्रैल में विदेशी निवेशक शुद्ध बिकवाल बन गए और उन्होंने 8,700 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। मॉरीशस के साथ कर संधि में संशोधन से उपजी चिंताओं और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल लगातार बढ़ने से रुख में यह बदलाव देखने को मिला।

डिपॉजिटरी के आंकड़ों से पता चलता है कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मार्च में 35,098 करोड़ रुपये और फरवरी में 1,539 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। लेकिन अप्रैल में यह रुझान पलट गया और एफपीआई ने 8,700 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी कर ली। वर्ष 2024 के पहले चार महीनों में भारतीय शेयर बाजार में एफपीआई का कुल शुद्ध निवेश 2,222 करोड़ रुपये और ऋण या बॉन्ड बाजार में 44,908 करोड़ रुपये रहा है।

- एफपीआई ने लगातार दो माह तक खरीदी की थी
- अमेरिकी बांड में प्रतिफल बढ़ने से बदलाव देखा गया

*वैश्विक बाजारों से कमजोर संकेत उभरे :* इसके अलावा अनिश्चित वृहद-आर्थिक स्थिति और ब्याज दर दृष्टिकोण के साथ वैश्विक बाजारों से कमजोर संकेत उभरते बाजारों के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं। इसके अलावा तेल जैसे जिंसों की कीमतों में वृद्धि और अमेरिका में मुद्रास्फीति की ऊंची दर ने नीतिगत दर में फेडरल रिजर्व के कटौती करने की उम्मीदें कम कर दी हैं।

## अंबुजा सीमेंट्स का मुनाफा 1,525.78 करोड़ रुपए...

**नई दिल्ली।** अदाणी समूह की कंपनी अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड का बीते वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 1,525.78 करोड़ रुपये रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही में कंपनी का शुद्ध मुनाफा 763.30 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी परिचालन आय 8,893.99 करोड़ रुपये रही, जबकि पिछले वर्ष की समान तिमाही में यह 7,965.98 करोड़ रुपये थी। अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड (एसीएल) के अनुसार, 31 मार्च 2024 को समाप्त तिमाही तथा वित्त वर्ष के एकीकृत परिणामों में सांघी के वित्तीय परिणाम शामिल हैं, जिसका पिछली तिमाही में अदाणी समूह की कंपनी ने अधिग्रहण किया था। 31 मार्च 2023 को समाप्त हुए 15 महीन के साथ तुलनीय नहीं हैं।'

## मतदान को प्रोत्साहित करने संजीवनी कैंसर हॉस्पिटल में 7 मई को निशुल्क ओपीडी

**रायपुर।** 18वीं लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण का मतदान 07 मई को रायपुर जिले में होना है। लोकतंत्र के इस सबसे बड़े पर्व में अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए मतदान करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। इसी उद्देश्य से संजीवनी कैंसर हॉस्पिटल ने मतदाता जागरूकता अभियान के तहत लोगों को मतदान करने के लिए जागरूक और प्रोत्साहित करने के लिए एक अनूठी पहल की है।

जिसमें मंगलवार 07 मई को मतदान के पश्चात जो व्यक्ति अस्पताल की ओपीडी में चिकित्सकीय परामर्श के लिए आकर अपनी उंगली पर मतदान की स्याही दिखायेगा उसे उस दिन निःशुल्क ओपीडी परामर्श दिया जाएगा। साथ ही अस्पताल में की जाने वाली ओपीडी जाँचों में अस्पताल दर पर 25 प्रतिशत की छूट दी जायेगी। वहीं, 08 मई से 12 मई 2024 तक ओपीडी में आए व्यक्ति को अपनी उंगली पर मतदान की स्याही दिखाने पर ओपीडी परामर्श में 50 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। अगर 07 मई मंगलवार को मतदान के बाद यदि कोई व्यक्ति अस्पताल में भर्ती होता है तो अपनी उंगली पर मतदान की स्याही दिखाने पर उस व्यक्ति से 07 मई का रूम रेंट नहीं लिया जाएगा।

संजीवनी कैंसर हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. यूसुफ मेमन ने कहा कि आशा है हमारी यह पहल से लोगों को मतदान करने के लिए प्रोत्साहित करने में सहायक होगी और हम भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आयोजित किये जा रहे इस महापर्व में सहभागी बनेंगे।

## पिछले तीन माह से शेयर बाजार में जारी तेजी बनी रहेगी

# मई में शेयर बाजार में तेजी बने रहने की उम्मीद : विश्लेषक

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पिछले तीन महीनों से शेयर बाजार में जारी तेजी का सिलसिला मई में भी बने रहने की संभावना है। इसका कारण आर्थिक वृद्धि के बेहतर रहने की उम्मीद के साथ आम चुनावों में मौजूदा सरकार के दोबारा से सत्ता में आने की संभावना और घरेलू निवेशकों की मजबूत भागीदारी के साथ निवेशकों की धारणा का सकारात्मक होना है। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। इस साल जनवरी में 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 0.67 प्रतिशत नीचे आया था। हालांकि, फरवरी के बाद से बाजार में तेजी का सिलसिला बना हुआ है। इस दौरान बीएसई मानक सूचकांक सेंसेक्स 1.04 प्रतिशत चढ़ा जबकि मार्च में इसमें 1.58 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि हुई।

- आर्थिक वृद्धि के बेहतर रहने व सरकार दोबारा आने की उम्मीद

*कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 4900 अरब डॉलर :* वर्तमान में, बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 4,06,55,851.94 करोड़ रुपये (4,900 अरब डॉलर) है। स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लि. के प्रबंध निदेशक सुनील ग्याति ने कहा, इस साल की शुरुआत से उच्च मूल्यांकन को लेकर चिंताओं के बावजूद मझोली और छोटी कंपनियों के शेयरों में तेजी जारी है।

*बाजार ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया :* नंदा ने कहा, 'बाजार विभिन्न कारणों से रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया है। सबसे पहले, भारतीय अर्थव्यवस्था में मजबूती के साथ सकारात्मक बाजार भावना ने निवेशकों के भरोसे को बढ़ाया है।' बीएसई सेंसेक्स इस साल नौ अप्रैल को कारोबार के दौरान 75,124.28 अंक के अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

### अर्थव्यवस्था के लिए दृष्टिकोण सकारात्मक

इसका कारण संभवतः पर्याप्त घरेलू नकदी और भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए दृष्टिकोण का सकारात्मक होना है। उन्होंने कहा, 'छोटी कंपनियों का यह बेहतर प्रदर्शन वैश्विक स्तर पर पिछले बड़े बाजारों में देखे गए रुझान को बताता है। इससे पता चलता है कि भारतीय बाजार भी संभवतः विकास के उसी चरण में है।'

### अप्रैल में सूचकांक 1.12 फीसदी बढ़ी

अप्रैल में, सूचकांक 1.12 प्रतिशत चढ़ा। मास्टर कैपिटल सर्विस लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरविंदर सिंह नंदा ने कहा, 'कुल मिलाकर, बाजार में तेजी का सिलसिला जारी रहने की उम्मीद है। इसका एक प्रमुख कारण घरेलू संस्थागत निवेशकों के साथ व्यक्तिगत निवेशकों दोनों की मजबूत भागीदारी है।'

*आठ अप्रैल को पहली बार पूंजीकरण 400 लाख करोड़ पार:* सूचकांक ने उसी दिन पहली बार ऐतिहासिक 75,000 अंक के स्तर को पार किया। सेंसेक्स 10 अप्रैल को पहली बार 75,000 अंक के ऊपर बंद हुआ। बीएसई की सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण आठ अप्रैल को पहली बार 400 लाख करोड़ रुपये के पार चला गया।

## आवासीय रियल एस्टेट क्षेत्र में निवेश तीन गुना के पार

**नई दिल्ली।** आवासीय रियल एस्टेट खंड में निवेश मार्च तिमाही में तीन गुना से अधिक होकर 5,743 करोड़ रुपये हो गया। रियल एस्टेट परामर्श कंपनी कुशमैन एंड वेकफील्ड (सीएंडडब्ल्यू) के अनुसार, यह कुल रियल एस्टेट क्षेत्र में कुल प्रवाह का 63 प्रतिशत है। सीएंडडब्ल्यू की बुधवार को जारी पूंजी बाजार की रिपोर्ट में कहा गया कि मार्च तिमाही के दौरान रियल एस्टेट में निवेश बढ़कर 9,124 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले साल समान अवधि में 8,830 करोड़ रुपये था।

# टी20 विश्व कप : अर्शदीप और सिराज पर भारत की उम्मीदों पर सफल होने की चुनौती

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारत की टी20 विश्व कप टीम में चार स्पिनरों से पता चलता है कि भारतीय चयनकर्ताओं को अमेरिका और वेस्टइंडीज में स्पिन की अनुकूल धीमी पिचों की उम्मीद है लेकिन क्या उन्होंने 15 सदस्यीय टीम में केवल तीन तेज गेंदबाजों को चुनकर कोई गलती की है। तेज गेंदबाजी में पसंद पर भी सवाल उठे हैं।

आईपीएल शुरू होने से पहले तेज गेंदबाजी विभाग में सिर्फ जसप्रीत बुमराह का चयन तय था जबकि अन्य तेज गेंदबाजों को लीग में खुद को साबित करना था। मंगलवार को चुनी गई टीम को देखते हुए चयनकर्ताओं ने सुरक्षित रुख अपनाया और एक जून से शुरू होने वाले आईसीसी टूर्नामेंट में बुमराह का साथ देने के लिए मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह को चुना। संदीप शर्मा, आवेश खान और टी नटराजन जैसे तेज गेंदबाजों को नजरअंदाज कर दिया गया जिन्होंने मौजूदा आईपीएल में डेथ ओवरों में अपने गेंदबाजी कौशल से प्रभावित किया।

### संदीप, आवेश और नटराजन जैसे तेज गेंदबाज नजरअंदाज

### आईपीएल में दोनों फेल

भारत के लिए सिराज ने 10 और अर्शदीप ने 44 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेले हैं। इन दोनों का मौजूदा आईपीएल में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा लेकिन भारत के लिए उनके अतीत के प्रदर्शन के आधार पर उन्हें टीम जगह मिली है। यह जोड़ी नई गेंद को स्विंग कराने की क्षमता रखती है लेकिन क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि कोई गेंदबाज डेथ ओवरों में बल्लेबाजों को कैसे रोकता है। यह खेल का वह पहलू है जिसमें अर्शदीप और सिराज दोनों ही आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं।

### पुराने रिकॉर्ड पर भरोसा

सिराज ने 9.50 रन प्रति ओवर की दर से रन दिए हैं जबकि अर्शदीप काफी महंगे साबित हुए हैं और उन्होंने प्रति ओवर 9.63 रन की दर से रन लुटाए हैं। अर्शदीप ने हालांकि नौ मैच में 12 विकेट चटकाए हैं। उन्होंने 2022 टी20 विश्व कप में भी 10 विकेट हासिल किए थे। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप का डेथ ओवरों में प्रदर्शन चिंताजनक है लेकिन चयनकर्ताओं ने राष्ट्रीय स्तर पर उनके अच्छे रिकॉर्ड पर भी विचार किया है। उन्होंने 20.87 के औसत और 8.63 की इकोनॉमी रेट से 62 विकेट लिए हैं। सिराज ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में 8.78 की इकोनॉमी रेट से रन दिए हैं।

### एक के चुने जाने की संभावना : प्रसाद

पूर्व मुख्य चयनकर्ता एमएसके प्रसाद की राय में विश्व कप में तीन तेज गेंदबाजों को ले जाना काफी होगा और उन्हें चुने गए खिलाड़ियों से भी कोई दिक्कत नहीं है। लखनऊ सुपर जाइंट्स के रणनीतिक सलाहकार प्रसाद ने कहा, 'वहां की पिचों से धीमे गेंदबाजों को मदद मिलने की उम्मीद है और इसीलिए वे चार स्पिन विकल्पों के साथ जा रहे हैं। अंतिम एकादश में मैं हार्दिक पंड्या के साथ केवल दो विशेषज्ञ तेज गेंदबाजों को खेलता हुआ देखता हूं। मैं बुमराह और सिराज के साथ शुरुआत करना चाहूंगा ।

### चार स्पिनरों की जरूरत नहीं : बिशप

वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाज इयान बिशप ने कहा कि 15 सदस्यीय टीम में चार स्पिनरों की जरूरत नहीं थी। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि टूर्नामेंट में स्पिन की भूमिका होगी। मेरी एकमात्र चिंता यह है कि विश्व कप के लिए पिचें द्विपक्षीय श्रृंखला या घरेलू टूर्नामेंटों में देखी गई पिचों से थोड़ी अलग हो सकती हैं। इसलिए मुझे लगता है कि चार स्पिनरों की जरूरत नहीं थी।'

### मैं चार स्पिनरों से भी हैरान : फिंच

ऑस्ट्रेलिया की टी20 विश्व कप विजेता टीम के कप्तान रहे आरोन फिंच को लगता है कि सिराज और अर्शदीप के लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं करने के कारण बुमराह को तेज गेंदबाजी विभाग में अधिक सहयोग की जरूरत है। फिंच ने कहा, 'मैं चार स्पिनरों से भी हैरान था। मैंने रिंकू (सिंह) और केवल दो स्पिनरों को चुना था। मेरी शुरुआती टीम में मेरे पास अतिरिक्त तेज गेंदबाज थे क्योंकि मुझे लगता है कि गेंद के साथ जसप्रीत बुमराह के अलावा अन्य के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी को देखते हुए, विशेषकर पावर-प्ले में, मैं तेज गेंदबाजों के लिए अतिरिक्त सहयोग चाहता था।'



### आईपीएल पाइंट टेबल

| टीम | मैच | जीते | हारे | अंक |
|---|---|---|---|---|
| राजस्थान | 9 | 8 | 1 | 16 |
| कोलकाता | 9 | 6 | 3 | 12 |
| लखनऊ | 10 | 6 | 4 | 12 |
| चेन्नई | 10 | 5 | 5 | 10 |
| हैदराबाद | 9 | 5 | 4 | 10 |
| दिल्ली | 11 | 5 | 6 | 10 |
| पंजाब | 10 | 4 | 6 | 8 |
| गुजरात | 10 | 4 | 6 | 8 |
| मुंबई | 10 | 3 | 7 | 6 |
| बेंगलोर | 10 | 3 | 7 | 6 |

ऑरेंज कैप

ऋतुराज गायकवाड़
509 रन
चेन्नई

पर्पल कैप



जसप्रीत बुमराह
14 विकेट
मुंबई

### बाउंड्री मीटर

1521 चौके

880 छक्के

### खबर संक्षेप

#### पंड्या पर 24 लाख रुपए लगा जुर्माना

**लखनऊ।** मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या पर लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में दूसरी बार टीम की ओवरगति धीमी रहने के कारण 24 लाख रुपए जुर्माना लगाया गया है। इंपैक्ट खिलाड़ी समेत बाकी खिलाड़ियों पर छह छह लाख रुपए या मैच फीस के 25 प्रतिशत में से जो कम हो, जुर्माना लगाया गया। मुंबई को लखनऊ ने चार विकेट से हराया। आईपीएल ने एक बयान में कहा, 'मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या पर टाटा इंडियन प्रीमियर लीग के 48वें मैच के दौरान धीमी ओवरगति के लिए जुर्माना लगाया गया है।'

#### बीसीबी ने स्कूली मैच 20 ओवरों के किए

**ढाका।** बांग्लादेश में प्रचंड गर्मी और लू के कारण क्रिकेट बोर्ड ने स्कूली क्रिकेट मैच 50 ओवरों की बजाय 20 ओवर प्रति टीम कर दिए हैं। बांग्लादेश में अप्रैल से ही पारा 40 डिग्री से ऊपर चला गया है। बीसीबी के एक बयान के हवाले से ईएसपीएन क्रिकइन्फो की रिपोर्ट में कहा गया, 'देश में चल रही प्रचंड गर्मी के कारण बीसीबी की आयुवर्ग टूर्नामेंट समिति ने तय किया है कि 29 अप्रैल से प्राइम बैंक राष्ट्रीय स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट के बचे हुए सभी मैच टी20 प्रारूप में खेले जाएंगे।' देश में 14 जगहों पर हो रहे मुकाबलों में 64 जिला टीमें भाग ले रही हैं।

#### टीम क्वालिफिकेशन हासिल करना लक्ष्य

**नई दिल्ली।** पेरिस ओलंपिक की व्यक्तिगत स्पर्धा के लिए क्वालीफाई करने वाले इकलौते भारतीय तीरंदाज धीरज बोम्मदेवरा ने कहा कि उनकी प्राथमिकता अब इन खेलों की टीम स्पर्धाओं में कोटा हासिल करने की है। इस 22 साल के रिकर्व तीरंदाज ने पिछले साल बैंकॉक में एशियाई क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में रजत पदक जीत कर ओलंपिक की पुरुषों की व्यक्तिगत स्पर्धा के लिए क्वालीफाई किया था।

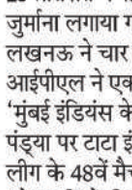



## क्रिकेट : शशांक-कुरेन ने चौथे विकेट के लिए की 50 रन की साझेदारी

# पंजाब किंग्स की 7 विकेट से शानदार जीत हरप्रीत-राहुल की फिरकी में फंसी चेन्नई

एजेंसी ⏭ चेन्नई

राहुल चाहर और हरप्रीत बराड़ की शानदार फिरकी गेंदबाजी के बाद जॉनी बेयरस्टो (46 रन) और रिली रोसेयु (43 रन) की आक्रामक बल्लेबाजी से पंजाब किंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में बुधवार को यहां चेन्नई सुपरकिंग्स को 13 गेंद शेष रहते सात विकेट से हराया। राहुल चाहर और बराड़ ने दो-दो विकेट चटकाने के अलावा अपने कोटे के चार-चार ओवर में बिना कोई बाउंड्री खाए क्रमशः 16 और 17 रन दिए।

कप्तान रुतुराज गायकवाड़ की 48 गेंद में 62 रन की पारी के दम पर सीएसके ने पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर सात विकेट पर 162 रन बनाए। पंजाब ने 17.5 ओवर में तीन विकेट पर लक्ष्य हासिल कर 10 मैचों में चौथी जीत दर्ज की। चेन्नई की 10 मैचों में यह पांचवीं हार है। बेयरस्टो ने अपनी पारी में सात चौके और एक छक्का जबकि रोसेयु ने पांच चौके और दो छक्के जड़े। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 37 गेंद में 64 रन की साझेदारी कर मैच को सीएसके की पकड़ से दूर किया इसके बाद शशांक सिंह (नाबाद 25) और कप्तान सैम कुरेन (नाबाद 26) ने चौथे विकेट के लिए 37 गेंद में 50 रन की अटूट साझेदारी कर टीम को आसान जीत दिला दी।



### गायकवाड़ शीर्ष स्कोरर

गायकवाड़ ने बल्लेबाजी के लिए मुश्किल परिस्थितियों में एक छोर संभाले रखा और 48 गेंद की पारी में पांच चौके और दो छक्के लगाए। वह इसके साथ ही इस सत्र में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। उनके नाम 10 मैचों में 509 रन हो गए हैं। सीएसके के कप्तान पहले विकेट के लिए अजिंक्य रहाणे (23 गेंद में 29 रन) के साथ 64 और समीर रिजवी (21 रन) के साथ चौथे विकेट के लिए 37 और मोईन अली (15 रन) के साथ छठे विकेट के लिए 38 रन की साझेदारी की जिससे सीएसके प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंच सकी।

स्कोर बोर्ड

| चेन्नई सुपरकिंग्स | रन | गेंद | 4 | 6 |
|---|---|---|---|---|
| रहाणे का रोसेयु बो बराड़ | 29 | 24 | 5 | 0 |
| ऋतुराज गायकवाड़ बो अर्शदीप | 62 | 48 | 5 | 2 |
| शिवम दुबे पगबाधा बराड़ | 00 | 01 | 0 | 0 |
| रविंद्र जडेजा पगबाधा चाहर | 02 | 04 | 0 | 0 |
| रिजवी का हर्षल बो रबाडा | 21 | 23 | 1 | 0 |
| मोईन अली बो राहुल चाहर | 15 | 09 | 1 | 1 |
| महेंद्र सिंह धोनी रन आउट | 14 | 11 | 1 | 1 |
| डेरिल मिचेल नाबाद | 01 | 01 | 0 | 0 |

अतिरिक्त : 18, कुल : 20 ओवर में 162/7

गेंदबाजी : रबाडा 4-0-23-1, अर्शदीप 4-0-52-1, कुरेन 3-0-37-0, बराड़ 4-0-17-2, राहुल चाहर 4-0-16-2, हर्षल 1-0-12-0.

| पंजाब किंग्स | रन | गेंद | 4 | 6 |
|---|---|---|---|---|
| प्रभसिमरन का गायकवाड़ बो ग्लीसन | 13 | 10 | 1 | 1 |
| जॉनी बेयरस्टो का धोनी बो दुबे | 46 | 30 | 7 | 1 |
| रिली रोसेयु बो शारदुल | 43 | 23 | 5 | 2 |
| शशांक सिंह नाबाद | 25 | 26 | 1 | 1 |
| सैम कुरेन नाबाद | 26 | 20 | 3 | 0 |

अतिरिक्त : 10, कुल : 17.5 ओवर में 163/3

गेंदबाजी : दीपक चाहर 0.2-0-4-0, शारदुल 3.4-0-48-1, ग्लीसन 3.5-0-30-1, मुस्तफिजुर 4-1-22-0, जडेजा 3-0-22-0, मोईन 2-0-22-0, दुबे 1-0-14-1.

खास खबर

## चार भारतीय मुक्केबाज सेमीफाइनल में पहुंचे

**अस्ताना।** भारतीय मुक्केबाजों आर्यन, यशवर्धन सिंह, प्रियांशु और साहिल ने बुधवार को यहां अपने-अपने मुकाबले जीतकर एएसबीसी एशियाई अंडर-22 एवं युवा मुक्केबाजी चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में जगह बनाई। आर्यन ने 51 किग्रा वर्ग में उज्बेकिस्तान के जुराएव शाकरबाय को सर्वसम्मत फैसले में 5-0 से हराकर भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई। इसके बाद यशवर्धन (63.5 किग्रा) ने पहले दौर में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए ईरान के मिराहमादी बाबाहेदारी को 4-1 से हराया। दूसरी तरफ प्रियांशु (71 किग्रा) और साहिल (80 किग्रा) को अधिक पसीना नहीं बहाना पड़ा और उन्होंने क्रमशः चीनी ताइपे के वू यू एन और तुर्कमेनिस्तान के यकलीमोव अब्दिरहमा के खिलाफ रैफरी के मुकाबला रोकने के फैसले के साथ अगले दौर में प्रवेश किया। जतिन हालांकि 57 किग्रा वर्ग में उज्बेकिस्तान के ए नोदिरबेक के खिलाफ 1-4 की हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गए।

### मयंक को बीसीसीआई अनुबंध मिलने की संभावना

**नई दिल्ली।** मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच के दौरान पेट की मांसपेशियों में चोट के कारण तेज गेंदबाज मयंक यादव के इंडियन प्रीमियर लीग के राउंड रॉबिन चरण के बाकी बचे मैचों में खेलने की संभावना काफी कम है। मयंक पिछले चार सप्ताह में दूसरी बार चोटिल हुए हैं। दिल्ली के इस 21 वर्षीय खिलाड़ी को हालांकि अपनी तेज गति से प्रभावित करने का ईनाम जल्द ही मिल सकता है। उन्हें उमरान मलिक, विद्वथ कावेरप्पा, विशाक विजयकुमार, यश दयाल और आकाशदीप के साथ भारतीय क्रिकेट बोर्ड द्वारा तेज गेंदबाजी अनुबंध दिया जाना लगभग तय है। इस अनुबंध के बाद मयंक राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी की स्पोर्ट्स साइंस और मेडिकल टीम की देखरेख में रहेंगे जो उनकी आईपीएल फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपरजायंट्स से उनके चोट प्रबंधन और फिटनेस कार्यक्रम की जिम्मेदारी संभालेगी।



## मैड्रिड ओपन में आखिरी बार खेलते हुए हार के बाद भावुक हुए नडाल

एजेंसी ⏭ मैड्रिड

बाईस बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रफेल नडाल मैड्रिड ओपन के चौथे दौर में मिली हार के बाद भावुक हो गए चूंकि यहां वह आखिरी बार खेल रहे हैं। पांच बार के चैंपियन नडाल को 31वीं रैंकिंग वाले जिरि लेहेका ने 7-5, 6-4 से हराया।

हार के बाद नडाल ने कहा, 'यह काफी कठिन दिन है लेकिन यही हकीकत है। मेरा शरीर और जिंदगी काफी समय से संकेत दे रहे हैं। मैं इस कोर्ट को अलविदा कह रहा हूं और मेरे लिए यह बहुत भावुक पल है। यहां की यादें सदैव मेरे साथ रहेंगी।' नडाल के



हमवतन स्पेन के ही कार्लोस अल्काराज तीन घंटे तक चले मैच में जान लेनार्ड स्ट्रफ को 6-3, 6-7, 7-6 से हराकर अगले दौर में पहुंच गए। शीर्ष वरीयता प्राप्त यानिक सिनेर ने 16वीं वरीयता प्राप्त कारेन खाचानोव को 5-7, 6-3, 6-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

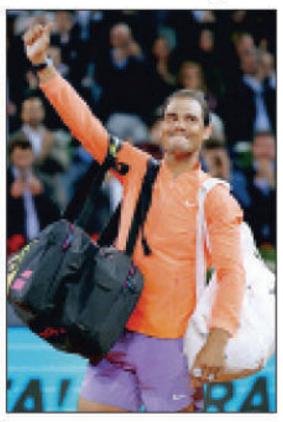

तीसरी वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदव ने अलेक्जेंडर बुबलिक को 7-6, 6-4 से हराया। महिला वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त इगा स्वियाटेक ने बीट्रिज हदाद माइया को 4-6, 6-0, 6-2 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। अब उनका सामना अमेरिका की 18वीं वरीयता प्राप्त मेडिसन कीस से होगा जिन्होंने आठवीं वरीयता प्राप्त ओंस जबाउर को 0-6, 7-5, 6-1 से हराया।



### बोपन्ना-एबडेन की जोड़ी मैड्रिड मास्टर्स से बाहर

**मैड्रिड।** शीर्ष वरीयता प्राप्त भारत के रोहन बोपन्ना और आस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन की जोड़ी पहले दौर में सेबेस्टियन कोरडा और जोर्डन थाम्पसन से अप्रत्याशित हार के बाद एटीपी मुटुआ मैड्रिड ओपन से बाहर हो गई। आस्ट्रेलियाई ओपन पुरुष युगल चैंपियन बोपन्ना और एबडेन को एक घंटे 17 मिनट तक चले मैच में अमेरिका और आस्ट्रेलिया की जोड़ी से 7-6, 7-5 से पराजय झेलनी पड़ी। पिछले साल बोपन्ना और एबडेन ने इंडियन वेल्स मास्टर्स जीता था और 43 वर्ष के बोपन्ना एटीपी मास्टर्स 1000 चैंपियन बनने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी भी बने।

## विश्व कप : न्यूयॉर्क में लाई जा रही हैं 'ड्रॉप इन' पिचें

एजेंसी ⏭ न्यूयॉर्क

आगामी टी20 विश्व कप के लिए फ्लोरिडा से 'ड्रॉप इन' पिचें न्यूयॉर्क लाई जा रही हैं जहां बाकी मैचों के अलावा नौ जून को भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप चरण का मैच भी होना है। ये ऐसी पिच होती है, जिसे मैदान या वेन्यू से दूर कहीं बनाया जाता है और बाद में स्टेडियम में लाकर बिछा दिया जाता है। फ्लोरिडा में दिसंबर से दस ड्रॉप इन पिचें बनाई जा रही थी।

ये पिचें एडीलेड ओवल टर्फ सोल्यूशंस के मार्गदर्शन में बनाई जा रही हैं जिसकी अगुवाई एडीलेड ओवल के मुख्य क्यूरेटर डेमियर हॉग कर रहे हैं। आईसीसी की विज्ञप्ति के अनुसार चार पिचें नासाउ स्टेडियम में लगाई जाएंगी जबकि छह आसपास अभ्यास परिसर में लगेंगी। टूर्नामेंट के दौरान एडीलेड ओवल टर्फ सोल्यूशंस टीम न्यूयॉर्क में ही रहेगी ताकि पिच के रख रखाव में मदद कर सके। टूर्नामेंट दो से 29 जून तक अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेला जाएगा।




## सनराइजर्स को आरसीबी और सीएसके के खिलाफ मिली हार

# राजस्थान और हैदराबाद का मुकाबला आज

एजेंसी ⏭ हैदराबाद

लक्ष्य का पीछा करते हुए भटकने वाली सनराइजर्स हैदराबाद शीर्ष पर काबिज राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ गुरुवार को इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में अपने अभियान को ढर्रे पर लाना चाहेगी। रॉयल्स का प्लेआफ में स्थान लगभग पक्का है लेकिन सनराइजर्स के लिए इस मैच में बहुत कुछ दाव पर है।

कुछ दिन पहले तक शानदार फॉर्म में चल रही सनराइजर्स को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर और चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए मिली हार का खामियाजा भुगतना पड़ा है। इन पराजयों के बाद टीम शीर्ष चार से बाहर हो गई। चार जीत और चार हार के बाद अब दस अंक लेकर 2016 चैम्पियन टीम पांचवें स्थान पर है।





### मध्यक्रम के बल्लेबाज नाकाम

पैट कमिंस की कप्तानी वाली टीम के शीर्ष और मध्यक्रम के बल्लेबाज लक्ष्य का पीछा करते हुए नाकाम रहे हैं जिससे कोच डेनियल विटोरी को स्वीकार करना पड़ा कि लक्ष्य का पीछा करते हुए अति आक्रामक खेलने की रणनीति गलत रही। सनराइजर्स ने इस सत्र में पहले बल्लेबाजी करते हुए दो बार 250 से अधिक स्कोर बनाया। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए 200 से अधिक का स्कोर एक बार भी हासिल नहीं कर सकी। मुख्य कोच विटोरी ने आरसीबी से मिली हार के बाद कहा था, 'हम लक्ष्य देने में कामयाब रहे हैं और अब लक्ष्य का पीछा करना भी सीखना होगा।'

### हेड-अभिषेक पर निर्भर

सनराइजर्स बल्लेबाजी में ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा पर काफी निर्भर है। दोनों के फ्लॉप होने पर सनराइजर्स की पारी भी चरमरा जाती है। एडेन मार्क्रम को अब अपने चिर परिचित फॉर्म में लौटना होगा जिनका बल्ला अभी तक खामोश रहा है।

### रॉयल्स का शानदार सफर

रॉयल्स का अब तक का सफर बेदाग रहा है। पहले सत्र की विजेता टीम ने हर प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ उम्दा प्रदर्शन किया है और 16 अंक लेकर शीर्ष पर है। उसके पास जोस बटलर, यशस्वी जायसवाल और कप्तान संजू सैमसन जैसे फॉर्म में चल रहे बल्लेबाज हैं। शिमरोन हेटमायेर और रोवमैन पॉवेल के अलावा रियान पराग और ध्रुव जुरेल ने भी रन बनाये हैं।

## थॉमस कप : इंडोनेशिया से 1-4 से हारा भारत



भारत ने 2022 के फाइनल में इंडोनेशिया को ही 3-0 से हराकर जीता था खिताब

एजेंसी ⏭ चेंगदू

गत चैंपियन भारत बुधवार को यहां थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट में इंडोनेशिया की मजबूत टीम के खिलाफ 1-4 से हार गया और अपने ग्रुप में शीर्ष पर नहीं पहुंच पाया।

भारत और इंडोनेशिया दोनों पहले ही अपने शुरुआती दोनों मैच जीतकर इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं लेकिन इंडोनेशिया ग्रुप सी के विजेता के रूप में नॉकआउट में जाएगा। इस मुकाबले में हार के बावजूद भारत के लिए सकारात्मक पक्ष एच एस प्रणय रहे जिन्होंने स्वास्थ्य समस्याओं से उबरकर वापसी करते हुए जीत दर्ज की। थॉमस कप 2022 के फाइनल भारत ने इंडोनेशिया को ही 3-0 से हराकर खिताब जीता था।

## ईशा गुप्ता ने स्पेन में खोला अपना रेस्तरां

**बॉ**बी देओल स्टारर वेब सीरीज 'आश्रम 3' में अपनी बोल्डनेस से आग लगाने वाली बॉलीवुड एक्ट्रेस ईशा गुप्ता ने अब बिजनेस जगत में भी कदम रख दिया है। उन्होंने रेस्तरां चेन में कदम रखा और एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा की तरह अपना रेस्टोरेंट खोला है। हिट स्ट्रीमिंग सीरीज 'आश्रम' के तीसरे सीजन में आखिरी बार नजर आईं ईशा गुप्ता ने स्पेन की राजधानी मैड्रिड में अपना फाइन-डाइनिंग रेस्तरां कासा सेल्सास लॉन्च किया। एक्ट्रेस का रेस्तरां मेडिटरेनियन फ्लेवर और वर्ल्ड कुजीन जैसी सर्विस का वादा करता है। अपने नए बिजनेस के बारे में बात करते हुए, ईशा ने कहा, 'मैड्रिड जैसे ग्लोबल हॉटस्पॉट में बढ़िया डाइनिंग रेस्तरां लॉन्च करना एक सपने के सच होने जैसा है। मैं हमेशा से कुछ ऐसा ही करना चाहती थी। यह मुझे हॉस्पिटैलिटी के प्रति प्यार को अपने क्रिएटिव विजन के साथ मिलाने की अनुमति देता है।

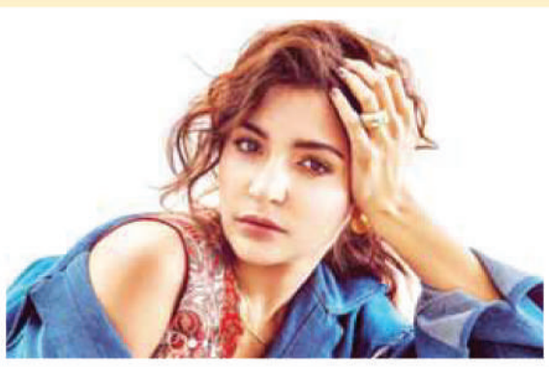

## एक्टर नहीं बल्कि पत्रकार बनना चाहती थी अनुष्का शर्मा

**अ**नुष्का शर्मा आज किसी पहचान की मोहताज नहीं है। अनुष्का शर्मा ने कई दमदार फिल्मों में काम किया है। अपनी दमदार एक्टिंग से लाखों लोगों के दिल में खास पहचान बनाने वाली अभिनेत्री अनुष्का शर्मा 1 मई यानी कल अपना जन्मदिन सेलिब्रेट किया था। अनुष्का का जन्म 1988 को उत्तर प्रदेश के अयोध्या में हुआ था। आज हम आपको बताएंगे कि अभिनेत्री अपना करियर किस फील्ड में बनाने वाली हैं। क्या आपको पता है अनुष्का शर्मा ने फिल्मों में आने के बारे में कभी सोचा भी नहीं था। हालांकि उनकी किस्मत में कुछ और ही लिखा था। एक्ट्रेस पत्रकारिता में अपना करियर बनाना चाहती थी। हालांकि बाद में उन्हें जब पहला ब्रेक मिला इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

**कभी मॉडलिंग से करियर की शुरुआत की थी अनुष्का**

आपको बता दें कि जब फैशन डिजाइनर वेंडेल रॉड्रिक्स ने अनुष्का शर्मा को पहली बार मॉल में देखा था। जिसके बाद उन्होंने उन्हें रैंप वॉक करने का मौका दिया। जिसके बाद अनुष्का ने अपनी मॉडलिंग करियर की शुरुआत की। अभिनेत्री ने साल 2008 में शाहरुख खान के साथ फिल्म रब ने बना दी जोड़ी में काम किया था।

**पहली फिल्म अनुष्का शर्मा की हुई थी हिट**

पहली फिल्म हिट होने के बाद अनुष्का ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। अनुष्का ने कई दमदार फिल्मों में काम किया है। इंडस्ट्री में कई बड़े और नामी चेहरों के साथ अभिनेत्री ने स्क्रीन शेयर किया है। अब वह अपनी शादीशुदा जिंदगी में काफी ज्यादा खुश हैं।

## डीपफेक का शिकार बनीं कैटरीना कैफ

**र**णवीर सिंह और आमिर खान द्वारा अपने राजनीतिक विचार व्यक्त करने का एक डीपफेक वीडियो वायरल होने के बाद, प्रौद्योगिकी के दुरुपयोग और कानूनी सुरक्षा उपायों की कमी के बारे में व्यापक चिंता फैल गई है। अब, कैटरीना कैफ की मॉर्फ्ड आवाज वाला फ्रेंच बोलने वाला एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। मूल वीडियो 2017 का है जब कैटरीना कैफ और सलमान खान मुंबई में बीना काक की किताब, साइलेंट सेंटिनल्स ऑफ रणथंभौर के लॉन्च इवेंट में मौजूद थे। उनके साथ सलमान के पिता, अनुभवी पटकथा लेखक सलीम खान भी शामिल हुए। कैटरीना के एक फैन पेज ने इस बार मॉर्फ्ड वीडियो शेयर किया है, जहां वह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से धाराप्रवाह फ्रेंच बोल रही हैं। डीपफेक वीडियो में एक अस्वीकरण था। इसमें लिखा था, कैटरीना कैफ और सलमान खान दोनों बीना काक की किताब साइलेंट सेंटिनल्स ऑफ रणथंभौर के लॉन्च में शामिल हुए। मैंने प्यार क्यों किया फिल्म से सलमान और कैटरीना उनके काफी करीब हैं। उस फिल्म में उन्होंने सलमान की मां का किरदार निभाया था। अस्वीकरण: फ्रेंच वॉयसओवर एआई-जनरेटेड है लेकिन भाषण को कोई छेड़छाड़ या तोड़-मरोड़ कर पेश नहीं किया गया है, यह बिल्कुल उसके मूल भाषण जैसा ही है। कैप्शन के बावजूद कई लोग इसके वास्तविक दिखने के कारण इसके मुरीद हो गए।

## छोटे पर्दे की वो एक्ट्रेसेस जिन्हें असल जिंदगी में नहीं मिला सच्चा प्यार

**जि**न्दगी में सब कुछ मिल जाए ये हर बार मुमकिन नहीं होता है और ये लाइन छोटे पर्दे के एक्ट्रेसेस श्वेता तिवारी, जेनिफर विंगेट और रश्मि देसाई के लिए है। इन एक्ट्रेसेस को उनके फैन्स का खूब प्यार मिला और इन एक्ट्रेसेस ने पर्दे पर काम करके खूब नाम भी कमाया। आज के समय में इन एक्ट्रेसेस के लाखों-करोड़ो फैन हैं लेकिन असल जिन्दगी में इन एक्ट्रेसस को प्यार नहीं मिला। आज हम आपको छोटे परदे के इन्ही एक्ट्रेसेस के बारे में बताने जा रहे हैं।

**श्वेता तिवारी**

सबसे पहला नाम एक्ट्रेस श्वेता तिवारी का है। एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने सबसे पहले भोजपुरी इंडस्ट्री में काम किया और इसके बाद एक्ट्रेस ने टीवी के कई शो में काम करके खूब नाम कमाया। श्वेता अपने काम की वजह से घर-घर में फेमस हुई और उन्हें उनके दर्शकों का खूब प्यार मिला।

इस बीच एक्ट्रेस ने एक्टर राजा चौधरी नाम के शादी की और उस दौरान इस कपल ने एक बेटी को जन्म दिया लेकिन साल 2007 में इन दोनों का रिश्ता खत्म हो गया। वहीं इसके बाद एक्ट्रेस की लाइफ में अभिनव कोहली की एंट्री हुई और इस कपल के बेटे को जन्म दिया। साल 2019 में भी इस रिश्ते का अंजाम भी श्वेता के पहले वाले रिश्ते की तरह हुआ।

**जेनिफर विंगेट**

एक्ट्रेस जेनिफर विंगेट छोटे परदे की कामयाब एक्ट्रेस रही। वहीं एक्ट्रेस ने फिल्मों और वेब सीरीज में भी काम करके भी खूब नाम कमाया। रील लाइफ में सफल रही एक्ट्रेस ने जहां इंडस्ट्री में खूब नाम कमाया तो वहीं एक्ट्रेस की रियल लाइफ ज्यादा अच्छी नहीं रही। एक्ट्रेस जेनिफर एक्टर करण सिंह ग्रोवर से प्यार करती थी। वहीं कुछ समय एक-दूसरे को डेट करने के बाद जेनिफर और करण ने शादी कर ली लेकिन अंत में इस शादी टूट गयी।

**रश्मि देसाई**

एक्ट्रेस रश्मि देसाई ने छोटे परदे के कई शो में काम किया और खूब नाम भी कमाया लेकिन एक्ट्रेस की असल ज़िन्दगी में सबकुछ ठीक नहीं रहा। एक्ट्रेस ने साल 2011 में एक्टर नंदीश संधू से शादी की थी लेकिन 3 साल बाद ही एक्ट्रेस का ये रिश्ता टूट गया और साल 2016 में इन दोनों का तलाक हो गया। वहीं इसके बाद एक्ट्रेस का नाम अरहान खान से जुड़ा साल 2019 में इन दोनों साथ में बिग बॉस में एंट्री की। वहीं इस शो के सलमान खान ने खुलासा किया कि अरहान एक झूठा आदमी है और इसके बाद एक्ट्रेस और अरहान का रिश्ता टूट गया और अब एक्ट्रेस अकेले ही ज़िन्दगी जी रही है।

## कैकेयी का किरदार निभाने पर लारा दत्ता ने तोड़ी चुप्पी

**नि**तेश तिवारी की 'रामायण' के चर्चे पूरे बॉलीवुड गलियारों में हो रहे हैं। जबसे हिंदू महाकाव्य पर फिल्म बनाने की खबर सामने आई है, तभी से दर्शकों की नजरें इस फिल्म की अपडेट्स पर टिकी रहती हैं। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है और सेट से रणबीर कपूर और साई पल्लवी का लुक भी लीक हो गया है। भगवान राम बने रणबीर का लुक दर्शकों को काफी पसंद आया है। वहीं, साई की सादगी भी सभी का ध्यान अपनी ओर खींच रही है। फैन्स फिल्म की बाकी स्टार कास्ट के लुक का इंतजार कर रहे हैं।

जैसा कि हम सभी जानते हैं कि रामायण में स्टार्स की फौज नजर आने वाली है, जो अलग-अलग किरादर निभाते हुए दिखाई देंगे। जिसमें एक किरदार कैकेयी का भी है, जिसे एक्ट्रेस लारा दत्ता निभाने जा रही हैं। रामायण के सेट से लारा दत्ता की तस्वीरें भी सामने आई थीं, लेकिन एक्ट्रेस ने अब पहली बार इन खबरों पर अपनी चुप्पी तोड़ी है।

जानमानी मीडिया से बात करते हुए लारा दत्ता ने चुटकी लेते हुए कहा कि वह भी नितेश तिवारी की रामायण में कैकेयी का किरदार निभाने की खबरें खूब सुन रही हैं। लारा ने अपनी बात को पूरा करते हुए मजाक में कहा कि, मुझे भी उनके बारे में पढ़ना और सुनना पसंद है इसलिए इसे जारी रखें। कौन रामायण का हिस्सा नहीं बनना चाहेगा? रामायण के बाकी किरदारों को लेकर लारा ने बात की और बताया कि अगर उन्हें ऑफर दिया जाता तो वह और कौन-कौन सा किरदार निभाना पसंद करतीं।

## एक फ्लाइट मिस होते ही चमक गई थी इस एक्टर की किस्मत

**त**कदीर में आपके लिए क्या तय है ये कोई नहीं जानता। कई बार ऐसा होता है कि आप एक मौका मिस करके उदास होते हैं और वक्त जाया करते हैं। जबकि दूसरा मौका आपका इंतजार कर रहा होता है। तस्वीर में नजर आ रहा ये बच्चा भी तकदीर के ऐसे ही खेल से इंडस्ट्री का सबसे बड़ा खिलाड़ी बन गया। जिससे किस्मत ने एक मौका छीन लिया। उस पर अफसोस मचाने की जगह इस बच्चे ने किस्मत का खिलाड़ी बनना पसंद किया और दूसरे मौके की तलाश में निकल गया। बस वहीं से किस्मत का ताला खुल गया और सितारा चमकने लगा।

**ऐसे मिला मौका**

तस्वीर में दिख रहा ये बच्चा है अक्षय कुमार. जिसे अब लोग बॉक्स ऑफिस के खिलाड़ी के रूप में भी जानते हैं। अक्षय कुमार की आठ फिल्मों के नाम में खिलाड़ी शब्द का इस्तेमाल हुआ है। जिस वजह से उनका नाम ही खिलाड़ी कुमार बन गया. लेकिन ये पहचान हासिल करने से पहले अक्षय कुमार ने खूब संघर्ष भी किया है. अक्षय कुमार ने अपना करियर मॉडलिंग से शुरू किया। लेकिन फिल्मों में किस्मत चमकी एक फ्लाइट मिस हो जाने से। अक्षय कुमार एक ऐड शूट के लिए बेंगलुरु जाने वाले थे लेकिन उनकी फ्लाइट मिस हो गई। इस बात से हताश होने की जगह खाली समय में अक्षय कुमार फिल्म प्रोड्यूसर के ऑफिस पहुंच गए। तकदीर भी उनके साथ थी, उन्हें दीदार मूवी में हीरो का रोल ऑफर हो गया।

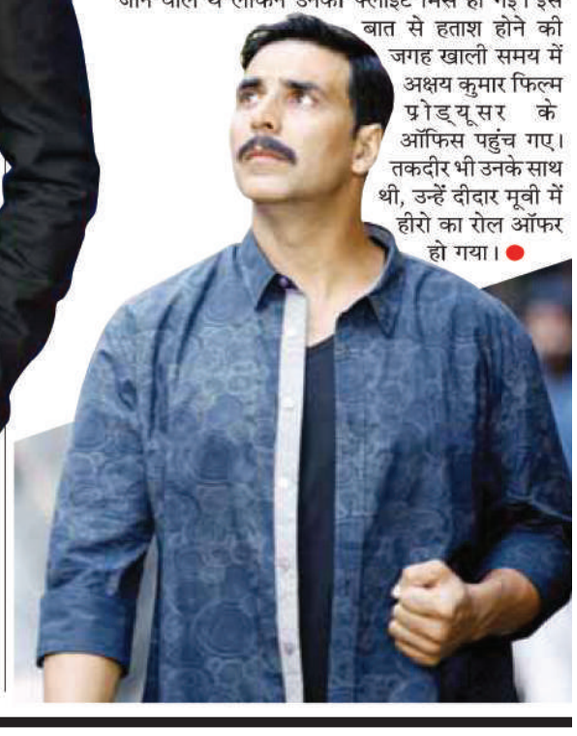

## जब ज्योतिका ने ठुकरा दी थी राजकुमार राव की फिल्म

**द**क्षिण भारतीय फिल्म जगत में कई सारी ऐसी अभिनेत्रियां हैं जिनका अलग ही जलवा रहा है। इसमें एक नाम ज्योतिका का भी है। ज्योतिका ने अपने करियर में कई सारी साउथ फिल्में की हैं। हिंदी फिल्में उन्होंने अधिक की नहीं मगर ज्योतिका हिंदी दर्शकों के बीच भी बहुत मशहूर हैं। ज्योतिका ने वर्ष 1998 से अपना डेब्यू किया था। ये डेब्यू उन्होंने बॉलीवुड फिल्म से किया था। मगर इसके बाद वे निरंतर दक्षिण भारतीय फिल्म जगत की फिल्में करने लग गईं। अब ज्योतिका एक बार फिर से बॉलीवुड फिल्म में वापसी का मन बना लिया है। अजय देवगन संग शैतान फिल्म में काम करने के बाद से ज्योतिका अब राजकुमार राव की फिल्म श्रीकांत में दिखाई देगी।

दरअसल, ज्योतिका को फिल्म के निर्देशक तुषार हीरानंदानी ने ये फिल्म ऑफर की मगर आरम्भ में उन्होंने ये फिल्म करने से मना कर दिया। तत्पश्चात, उनके पति सूर्या ने जब स्क्रिप्ट पढ़ी तो उन्होंने ज्योतिका से कहा कि वे एक अच्छी फिल्म मिस कर रही हैं। फिर दोनों ने निर्देशक तुषार हीरानंदानी को अपने घर बनाया तथा कहा कि वे ये फिल्म करने के लिए तैयार हैं। इसके बाद ही फिल्म की शूटिंग आरम्भ हुई तथा ये फिल्म बनकर तैयार हुई। बता दें कि श्रीकांत उनकी कमबैक फिल्म है। श्रीकांत साइन करने के पश्चात् ही उन्होंने अजय देवगन की फिल्म शैतान साइन की थी। मगर ये फिल्म पहले रिलीज हो गई।

# लोक सभा चुनाव के लिए 33 कक्षों तथा 2 पालियों में 1320 पीठासीन अधिकारी का हुआ प्रथम प्रशिक्षण

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। लोक सभा समान्य निर्वाचन को सकुशल, निष्पक्ष, एवं शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से आज प्रथम प्रशिक्षण स्नातकोत्तर महाविद्यालय पीजी कालेज गोराबाजार गाजीपुर में सम्पन्न हुआ। 33 कक्षो में प्रशिक्षण दो पालियों में सम्पन्न कराया गया, जिसमें प्रथम पाली का प्रशिक्षण शिविर में मास्टर ट्रेनरो द्वारा पूर्वान्ह 09 बजे से अपरान्ह 01 बजे तक 1320 पीठासीन अधिकारी/ मतदान अधिकारी एवं द्वितीय पाली प्रशिक्षण 02 बजे से 05 बजे तक 1320 पीठासीन अधिकारी/ मतदान अधिकारी को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनरो द्वारा पीठासीन अधिकारियों को ई0 वी0एम0 एवं वी0वी0पैड संचालन, मतदान से पूर्व, पार्टी रवानगी, मतदान के दिन तक के कार्यो, की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गयी। इसी क्रम में जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी आर्यका अखौरी का समस्त कक्षो में चल रहे प्रशिक्षण का स्थलीय निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिये।

प्रशिक्षण के दौरान जिलाधिकारी/ जिला निर्वाचन अधिकारी आर्यका अखौरी एवं मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार वैश्य ने कार्मिकों के मध्य बैठकर प्रशिक्षण की जानकारी भी ली एवं उनकी गुणवत्ता परखी। प्रशिक्षण के प्रथम पाली में 08 एवं द्वितीय पाली में 09 पीठासीन अधिकारी अनुपस्थित पाये गये। जिसपर जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी ने अनुपस्थित कर्मचारियों का वेतन वाधित करते हुए उनके विरूद्ध सुसंगत धाराओं के साथ कार्यवाही करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि किसी कारण वश छूटे हुए कार्मिको का प्रशिक्षण 05 मई 2024 को प्रातः 09 बजे से पी जी कालेज गोराबाजार मे सम्पन्न कराया जायेगा जिसमे कार्मिक प्रशिक्षण प्राप्त करेगे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि लोकतांत्रिक निर्वाचन व्यवस्था में प्रत्येक नागरिक को अपने पसन्द का प्रत्याशी चुनने का अधिकार है एक छोटी सी त्रुटि निर्वाचन प्रक्रिया में खलल डाल सकती है। यह आवश्यक है कि प्रशिक्षण के दौरान बताए गये बिन्दूओं को ध्यान से सुने। उन्होने निर्देशित किया कि जो कार्मिक प्रशिक्षण के दौरान अनुपस्थित रहे है उनके खिलाफ भारत निर्वाचन आयोग की सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज करायी जायेगी। उन्होने कहा कि मतदान सम्पन्न कराने में पीठासीन अधिकारी की महत्तपूर्ण भूमिका होती है। सम्पूर्ण निर्वाचन आपके विवेकपूर्ण निर्णय एवं कार्यशैली पर निर्भर करता है इसके लिए आप लोग प्रशिक्षण को अच्छे से आत्मसात करे। प्रशिक्षण के दौरान यदि किसी को किसी प्रकार की शंका है तो तत्काल प्रशिक्षण स्थल पर ही मास्टर ट्रेनर से समाधान कर ले। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी, परियोजना निदेशक, डी0आर0डी0ए, बेसिक शिक्षा अधिकारी, उप निदेशक कृषि, सहा0निर्वाचन अधिकारी (पं0), खण्ड शिक्षा अधिकारी एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

## महिलाओं और बच्चियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट ने एक महीने निःशुल्क ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण कार्यशाला का किया शुभारंभ

जौनपुर। अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट ने युवतियों और महिलाओ को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निःशुल्क एक माह ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ हीसामपुर केराकत मे निखार ब्यूटी पार्लर केंद्र में किया! कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए महिला रोग विशेषज्ञ डॉ रंजीता सिंह जी ने कहा कि अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट द्वारा नारी उत्थान एवम उनकी आत्मनिर्भरता के लिए इस तरह के प्रशिक्षण शिविर का आयोजन निश्चित रूप से प्रशिक्षणार्थियों के लिए कारगर साबित होगा, संस्थाध्यक्ष उर्वशी सिँह ने प्रशिक्षिका श्रीमती सरोज गुप्ता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महिलाओ को स्वावलंबी बनाने की इस मुहिम से युवतियां अपने पैरों पर खड़ी हो सकेंगी तथा उनके आत्मविश्वास मे वृद्धि होगी! ट्रस्ट परिवार द्वारा इस तरह के कई बार प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

किया जा चुका है, इस अवसर पर किन्नर अध्यक्ष बिट्टू किन्नर ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम में बच्चियों का उत्साह देखकर बहुत ही खुशी का अनुभव हो रहा है,! बड़ी संख्या में बच्चियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया! प्रशिक्षिका सरोज गुप्ता ने कहा कि बच्चियों को सिखाने के बाद हर सप्ताह एक प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा जिसमें बेहतर प्रदर्शन करने पर समापन समारोह में सम्मानित किया जाएगा! जिससे बच्चियों के अंदर सीखने की चाह और उत्साह की भावना बनी रहेगी! कार्यक्रम में मुख्य रूप से ट्रस्ट परिवार के तरफ से अंकित गुप्ता, आदित्य गुप्ता, धरमू गुप्ता, शहजादी गुप्ता, दिनेश, उपेन्द्र, डिम्पल, अनूप, जगदीश, अनि अन्य लोग उपस्थित रहे, कार्यक्रम का संचालन और आभार सचिव मीरा अग्रहरी ने किया।

## भाजपा प्रत्याशी पारस नाथ राय के बेटे ने अंसारी परिवार किया बड़ा हमला, बोले कालनेमी है अंसारी परिवार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भारतीय जनता पार्टी के नेता और गाजीपुर लोकसभा प्रत्याशी पारस नाथ राय के पुत्र आशुतोष राय ने आज गाजीपुर में पत्रकार वार्ता की और भाजपा की मोदी और योगी सरकार की जनलाभकारी नीतियों के साथ गाजीपुर में मनोज सिन्हा के द्वारा किए गए विकास की चर्चा के दौरान पत्रकारों के सवाल पर जवाब देते हुए सपा और बसपा प्रत्याशियों के नकल माफिया वाले आरोप को निराधार बताया और कहा कि ये आरोप गलत और बेबुनियाद हैं, जबकि उनके पिता और प्रत्याशी पारस नाथ राय एक प्रख्यात शिक्षक हैं और काशी हिंदू विश्वविद्यालय से पोस्ट ग्रेजुएट हैं, उन्होंने एक सवाल के जवाब में सपा प्रत्याशी अफजाल अंसारी के परिवार को कालनेमी की संज्ञा दी, उन्होंने बताया कि जिस तरह से अंसारी परिवार रूप बदल कर हिंदुओं के मंदिरों में जाकर पूजा करने और विधायक शोएब अंसारी द्वारा माथे पर चंदन पोत कर शिव भक्त होने का दिखावा

था जिसे हनुमान जी ने पहिचान लिया था और उसे वही जमीन के नीचे दबा कर वध कर दिया। उन्होंने कहा ये लोग इसी बहाने सामने आ गए, उन्होंने कहा कि ये पूरा परिवार कालनेमी की तरह है, मुख्तार अंसारी की वसूली और यहां के कई लोग हैं जिनकी जमीनें लिखवा ली गई और उन्हें आजतक पैसा भी नहीं मिला, आगरा जेल में यहां के कई लोग चुटका लेकर जाते थे और नाटक कर रहा है उसे जनता समझ रही है। ये सब केवल वोट लेने का तरीका है। भोले भाले लोग इनके चक्कर में आ जाते हैं। उन्होंने कहा कि इसी तरह रावण का दूत कालनेमी भी रूप बदल कर आया जब मुख्तार बंद थे। हो सकता है उनके डर से कई लोग न बोल रहे हों लेकिन अब डर का साया भी मिट गया योगी आदित्यनाथ जी की कृपा से। अफजाल अंसारी की बेटी नुसरत की हालिया लांचिंग पर आशुतोष ने पलटवार करते हुए कहा कि ये विचार धारा का अंतर है भाजपा ने प्रत्याशी का चयन किया तो एक नीम के पेड़ के नीचे सोने वाले शिक्षक का किया जबकि अफजाल अंसारी ने परिवार में अपनी बेटी का, बस यही सोच का फर्क है अंसारी में और भाजपा के कार्यकर्ताओं में, उन्होंने कहा कि अंसारी को डर है कि वो किसी सामान्य कार्यकर्ता को आगे नहीं कर सकता क्योंकि जिस दिन लोकतंत्र की दीवार गिर जाएगी अंसारी परिवार नंगा हो जाएगा। अंसारी परिवार ने डर के साए में अपनी पुत्री को लांच किया है और ये उस परिवार और उस पार्टी की परंपरा है और यही परंपरा आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल की भी है।

# कासिमाबाद पुलिस ने किया पाक्सो एक्ट से सम्बन्धित अभियुक्त को गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल मार्गदर्शन व क्षेत्राधिकारी कासिमाबाद के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक रामसजन नागर थाना कासिमाबाद गाजीपुर के कुशल नेतृत्व में कासिमाबाद पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 96/2024 धारा 363/376(3)/323/504 भादवि व 5एल/6 पाक्सो एक्ट थाना कासिमाबाद जनपद गाजीपुर से सम्बन्धित अभियुक्त को गिरफ्तार। उल्लेखनीय है कि वादी फत्तेबहादुर चौहान पुत्र राजेन्द्र चौहान ग्राम शहबाजपुर थाना कासिमाबाद जनपद गाजीपुर के लिखित तहरीर पर थाना स्थानीय पर अभियोग पंजीकृत किया गया। विवेचना के क्रम में गुरुवार को उप निरीक्षक पल्लवी सिंह थाना कासिमाबाद गाजीपुर मय हमराह मुकदमा उपरोक्त के नामित अभियुक्त मंजीत चौहन पुत्र अवधेश चौहान निवासी ग्राम शहबाजपुर थाना कासिमाबाद जनपद गाजीपुर उम्र 25 वर्ष को पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पुल से करीब 50 मीटर पहले कासिमाबाद से मऊ रोड पर कारण गिरफ्तारी बताते हुए समय 06.20 बजे गिरफ्तार कर लिया गया । गिरफ्तारशुदा अभियुक्त के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक सुश्री पल्लवी सिंह थाना कासिमाबाद, महिला कांस्टेबल श्वेता सिंह थाना कासिमाबाद, कांस्टेबल अमित कुमार थाना कासिमाबाद, कांस्टेबल महेन्द्र कुमार थाना कासिमाबाद जनपद गाजीपुर शामिल रहे।

### दहेज उत्पीड़न मामले में तीन साल से फरार आरोपी को भावरकोल पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। दहेज उत्पीड़न के मामले में पिछले तीन सालों से फरार चल रहे आरोपी को उसके घर से भांवरकोल पुलिस ने गिरफ्तार कर सुसंगत धाराओं में कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार युवक कमरूद्दीन अंन्सारी पुत्र अब्दुल अंसारी उर्फ झुल्लर निवासी ग्राम - दर्जी मुहल्ला, नई बाजार, थाना आदर्श नगर, बक्सर बिहार का रहने वाला है। इस सम्बन्ध में थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि थाने के एस0 आई0 प्रेमप्रकाश पान्डेय ने उसके घर से गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ तीन साल पूर्व इसी थाना क्षेत्र के बीरपुर निवासिनी एक पीड़िता ने पति, ससुर एवं सास के खिलाफ 498अ,323,504,506 डीपी एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत कराया था। गिरफ्तार युवक पीड़िता का रिस्ते में जेठ लगता है। गिरफ्तार आरोपी को सुसंगत धाराओं में कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया।

# स्वीप कार्यक्रम अन्तर्गत विद्यालयों में लगातार जारी है मतदाता जागरूकता अभियान

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। लोक सभा सामान्य निर्वाचन अन्तर्गत चलाये जा रहे राष्ट्रीय सेवा योजना निर्वाचन स्वीप कार्यक्रम के अन्तर्गत मतदाता जागरूकता अन्तर्गत परिषदीय विद्यालयों/ महाविद्यालयो के तहत जिला स्वीप को आर्डिनेटर के नेतृत्व में चुनावी पाठशाला/संगोष्ठी, सांस्कृतिक कार्यक्रम, नित्य कार्यक्रम, नाटक नुक्कड़, चित्रकला एवं कलश, के माध्यम से मतदाताओं को मतदान करने के लिए प्रेरित लगातार किया जा रहा है।

जिसके अंतर्गत आदर्श इण्टर कालेज जोगा मुसाहिब, नेशनल इण्टर कालेज कासिमाबाद, राजकीय बालिका इण्टर कालेज सैदपुर, राजकीय बालिका हाईस्कूल बायेपुर सैदपुर, राजकीय बालिका इण्टर कालेज गंगौली, इण्टर कालेज हार्ट मैनपुर, राजकीय बालिका इण्टर कालेज गहमर,जगनारायण इण्टर कालेज बीरपुर, शहीद स्मारक इण्टर कालेज नन्दगंज, श्री गॉधी इण्टर कालेज ढोटारी, राजकीय हाई स्कूल रेवतीपुर, राजकीय बालिका इण्टर कालेज मोहम्मदाबाद,नसरत खान मेमोरियल इण्टर कालेज महेंद, इण्टर कालेज सुहवल, आदर्श इण्टर कालेज सिधउत, श्री आदित्य लाल जनता योगेश उच्चतर माध्यमिक विद्यालय फूली, श्री शिवकुमार

शास्त्री इण्टर कालेज जंगीपुर, के प्रधानाचार्य, शिक्षक एवं कर्मचारीगण की उपस्थिति में स्लोगन प्रतियोगिता के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक किया तथा मतदाता जागरूकता की शपथ भी दिलायी गयी। जिसमे लोगो को आगामी 01 जून, को पूरे जोर-सोर से मतदान करने के लिए जागरूक किया। सभी को चढ़ बढ कर मतदान करने तथा जनपद का प्रथम नम्बर पर वोट प्रतिशत लाने हेतु जागरूक किया गया। इस अवसर पर सम्बन्धित विद्यालयों के प्रधानाचार्य/अध्यापक के साथ छात्र/छात्राये उपस्थित रहें। दिनांक 03 मई 24 को विधान सभा जंगीपुर में मतदाता जागरूकता से सम्बन्धित वाद-विवाद भाषण एवं संगोष्ठी, आदि का आयोजन सम्बन्धित अधिकारियों की उपस्थिति में सम्पन्न किया जायेगा तथा स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा महिला मतदाता सम्मेलन का अयोजन एवं डोर-टू-डोर जाकर महिला मतदाताओं को मतदान हेतु प्रेरित करने हेतु बी0एम0एम तथा डी0एम0एम की उपस्थिति में किया जायेगा।

# सांसद अफजाल की बेटी नुसरत भी कर सकती हैं सपा से नामांकन

प्रखर गाजीपुर। गाजीपुर में लोकसभा चुनाव की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है वैसे-वैसे चुनावी सरगर्मियां तेज होती जा रही हैं।गाजीपुर में सातवें चरण में मतदान होना है। 7 से 14 मई के बीच गाजीपुर में अंतिम चरण के मतदान के लिए नामांकन होगा। इस बीच गाजीपुर लोकसभा से समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी अफजाल अंसारी की बेटी नुसरत भी चुनाव प्रचार में उतर चुकी हैं।नुसरत की कुछ तस्वीरें सामने आई हैं,जिसमें वह सपा कार्यालय में महिला विंग की सदस्यों के साथ दिखाई दीं। अफजाल अंसारी ने अपनी बड़ी बेटी नुसरत अंसारी के नामांकन को लेकर संकेत दिया है कि वो भी गाजीपुर लोकसभा से नामांकन कर सकती हैं। इसके लिए अफजाल ने पार्टी कार्यालय पर आयोजित इंडिया गठबंधन की बैठक में सभी से परिचय भी कराया।इस दौरान पत्रकारों के एक सवाल के जवाब में अफजाल ने ने कहा कि हमारी बेटियों में बहुत हौसला है। बेटियां किसी से कम नहीं हैं, बस

उन्हें अवसर मिलने की जरूरत है। अफजाल अंसारी ने कहा कि हम कभी भी नामांकन कर सकते हैं।लोगों में इतना उत्साह है कि हम इतनी भीड़ जुटा कर कोई कंट्रोवर्सी पैदा नहीं करना चाहते हैं।बेटी को नामांकन करने के सवाल पर कहा कि हमारे डमी प्रत्याशी के रूप में हमारे भाई मुख्तार अंसारी ने भी हमारे साथ पर्चा भरा था तो डमी के रूप में कोई भी पर्चा भर सकता है। बता दें कि इस बार गाजीपुर में लोकसभा चुनाव काफी रोचक होने जा रहा है। जैसे-जैसे चुनाव की तारीख नजदीक आ रही है वैसे-वैसे राजनीति का पारा ऊपर चढता जा रहा है। प्रत्याशी से लेकर राजनीतिक दलों के लोग रणनीति के तरह एक-एक कदम आगे बढ़ा रहे हैं।पिछले चुनाव में पुरुषों की तुलना में हर विधानसभा में ज्यादा वोट करने वाली महिलाओं की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जिसके लिए अब भाजपा-सपा जैसे दलों के प्रत्याशियों ने अपनी-अपनी बेटियों को भी चुनाव प्रचार की कमान सौंप दी है, जो महिला टोली बनाकर लोगों के घरों के अंदर तक दस्तक देने लगी है। वो जाति-पाती का बंधन समाप्त करने का संदेश देते हुए मंदिर, आश्रम से लेकर घर के अंदर तक जा रही हैं और अपने पिता के विजय का आशीर्वाद मांग रही हैं।गाजीपुर लोकसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है वैसे वैसे पार्टी प्रत्याशी और समर्थकों का जनसंपर्क तेज होता जा रहा है। पांच बार विधायक और दो बार सांसद बने सपा प्रत्याशी अफजाल अंसारी ने अपनी बेटी नुसरत अंसारी की भी राजनीति में एंट्री करा दी है, जो अपने पिता की जीत के लिए प्रचार करने जा रही है।नुसरत ने बीते दिनों शिव मंदिर में जाकर पूजन-अर्चन की,महिलाओं के साथ बैठकर कीर्तन भी किया। यही नहीं नुसरत ने पवहारी बाबा आश्रम में पहुंचीं और दर्शन पूजन किया था। राजनीतिक गलियारे में नुसरत का पवहारी बाबा आश्रम जाना, कई मायनों में चर्चा के केंद्र में बना हुआ है। यह वही स्थान है जहां जनवरी 2023 में गाजीपुर पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पूजा की थी।

## 10 किलो गांजा व बिना नम्बर प्लेट मोटर साइकिल के साथ तस्कर गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक जनपद गाजीपुर के आदेशानुसार अपराध व अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर के कुशल निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी सैदपुर के निकट पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष भूपेन्द्र कुमार निषाद मय हमराह पुलिस बल व स्वाट सर्विलांस टीम के द्वारा दिनांक 01 मई 2024 को मुखबीरी सूचना के आधार पर उदन्ती नदी पुल बहरियाबाद गाजीपुर के पास से एक बिना नम्बर प्लेट की सुपर स्प्लेंडर मोटर साईकिल सवार व्यक्ति को मोटर साईकिल की पिछली सीट पर बोरी में बांधकर 10 किलो 200 ग्राम अवैध गांजा ले जाते समय गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में अभियुक्त सुनील यादव पुत्र शामू यादव निवासी गहनी फौलादपुर थाना बहरियाबाद जनपद गाजीपुर द्वारा बताया गया कि वह भारी मात्रा मे गांजा ले जाते समय पूर्व में जनपद आजमगढ़ से जेल जा चुका है। जिसके कारण आर्थिक तंगी बदहाली होने पर पुनः गांजे के व्यवसाय मे लगकर असम उड़ीसा से कम दामों में गांजा लाकर अपने यहाँ के चट्टी चौराहो के फुटकर दुकानदारों को ऊंचे दामों में बेचकर अपने नुकसान की भरपाई मे लगा था, पुलिस व मुखबीरी सूचना से बचने के लिए अपने मोटर साईकिल की नम्बर प्लेट यूपी61वी1109 को निकालकर बिना नम्बर प्लेट की मोटर साईकिल से गांजा ले जा रहा था, कि फिर से बहरियाबाद पुलिस द्वारा पकड़ लिया गया। बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर अभियुक्त के विरुद्ध मु0अ0सं0 42/2024 धारा 8/20 एनडीपीसी ऐक्ट का अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी स्वाट टीम मय टीम जनपद गाजीपुर, थानाध्यक्ष भूपेन्द्र कुमार निषाद मय टीम थाना बहरियाबाद गाजीपुर शामिल रहे।

## संक्षिप्त खबरें

### पूर्व प्रधान के निधन पर शोक सभा का आयोजन

प्रखर दानगंज वाराणसी। स्थानीय क्षेत्र के भिदुर गांव निवासी पूर्व प्रधान सुरेंद्र प्रताप सिंह (80 वर्ष) का 27 अप्रैल को उनके पैतृक आवास पर निधन हो गया। बता दें कि पूर्व प्रधान सुरेंद्र प्रताप सिंह भिदुर गांव के कई वर्षों तक प्रधान रहे और अपने कार्यशैली के लिए पूरे क्षेत्र में विख्यात भी रहे। उनके निधन के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई थी। शोक संवेदना व्यक्त करने वाले लगातार उनके घर पहुंचाते रहे। बता दे कि तेरहवीं 5 मई दिन रविवार को पैतृक गांव भीदूर में संपन्न होगी। शोक सभा में स्थानीय ग्रामवासी सहित विभिन्न क्षेत्रों के तमाम गणमान्य लोग उपस्थित रहे। उनके बारे में बताते हुए उनके दामाद अनुज सिंह ने कहा कि सुरेंद्र प्रताप सिंह जी लगातार कई वर्षों तक भिदुर ग्राम सभा के प्रधान रहे और अपनी कार्यशैली के लिए पूरे क्षेत्र में विख्यात भी रहे। हमेशा ग्राम सभा के निवासियों का पूरा सहयोग करते रहे। उनके जाने की क्षतिपूर्ति कोई पूरा नहीं कर सकता।

### डॉ. महेंद्रनाथ पांडेय 10 को पर्चा भरेंगे

वाराणसी। केंद्रीय मंत्री डॉ. महेंद्रनाथ पांडेय चंदौली लोकसभा क्षेत्र से 10 मई को नामांकन करेंगे। यह जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी एवं केंद्रीय मंत्री के मीडिया प्रतिनिधि श्रीनिकेतन मिश्र ने दी। उधर, डॉ. महेंद्रनाथ पांडेय ने बुधवार को अजगरा और शिवपुर विधानसभा क्षेत्र में अपने चुनावी कार्यालय का शुभारम्भ किया। कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर ने शिवपुर, विधायक टी. राम ने अजगरा विधानसभा क्षेत्र के कार्यालय का पूजन संपन्न कराया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा, ओंकार केशरी, रामप्रकाश दुबे, त्रिभुवन सिंह, चन्द्रशेखर सिंह, अखण्ड सिंह, गोपाल सिंह उमेश दत्त मिश्रा रामप्रकाश दूबे प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष, गिरीश तिवारी पवन चौबे पंकज त्रिपाठी संदीप मिश्रा बह्मदेव मिश्रा अपराजिता सोनकर, रामहित निषाद आदि मौजूद थे।

### खुटहन : नहर के झाड़ियों में फंसा मिला अज्ञात युवक का शव, नही हुआ पहचान

जौनपुर। खुटहन थाना क्षेत्र के नगवां गांव के नहर पुलिया के पास गुरुवार को पानी में उगी घास फूस में फंसा युवक का शव देख सनसनी फैल गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से शव पानी से बाहर निकलवाया। घंटों प्रयास के बाद भी उसकी पहचान नहीं हो सकी। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई के बाद पीएम हेतु भेज दिया। गांव के नहर पुलिया के पास कुछ चरवाहे बकरियां चरा रहे थे। तभी उनकी नजर पानी में उगी घास फूस के बीच पड़े शव पर गयी। वे शोर मचाने लगे। मौके पर तमाम लोग जमा हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव बाहर निकलवाया। शव को देख कयास लगाया जा रहा है कि घटना बुधवार की रात की रही होगी। मृतक की उम्र लगभग 25 वर्ष बताई जा रही है। वह काले रंग की पैंट और गाढ़ा नीला शर्ट पहने हुए है। दाएं हाथ में रक्षा बंधा हुआ है। उसके शरीर पर कहीं भी चोट के निशान नहीं दिखाई दिए। प्रभारी निरीक्षक संजय वर्मा ने बताया कि शव की शिनाख्त नहीं हो पा रही है। पहचान हेतु उसके कपड़े व अन्य सामान सुरक्षित रखा गया है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मामला स्पष्ट हो पायेगा।

### कार की चपेट में आने से साइकिल सवार मजदूर की मौत

प्रखर जौनपुर। बदलापुर कोतवाली क्षेत्र के मिरशादपुर पेट्रोल पंप के पास बुधवार को फोरलेन पर पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से साइकिल सवार एक मजदूर की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया ।थाना बक्शा क्षेत्र के ग्राम सुजियामउ निवासी अनिल कुमार (32) रोज की भांति साइकिल से उसरा बाजार में ढलाई के लिए जा रहा था। वह जैसे ही फोरलेन पर मिरशादपुर पेट्रोल पंप के पास पहुंचा था कि पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार की चपेट में आ गया। मौके पर ही उसकी मौत हो गयी। घटना की जानकारी मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और आधार कार्ड से उसकी पहचान के बाद परिजनों को सूचना दी। अनिल के मौत की खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया। अनिल के पिता शोभनाथ, पत्नी माधुरी, भाई सुनील का रो-रो कर बुरा हाल है। अनिल का बेटा आदर्श कक्षा दो का छात्र है। थानाध्यक्ष रोहित मिश्रा ने बताया कि परिजनों की तहरीर पर कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं